twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 12 अप्रैल, 2025 | वर्षः 12, अंकः 156, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली में तेज आंधी के साथ बारिश

नई दिल्ली
दिल्ली-एनसीआर में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार शाम को तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इससे एक तरफ जहां तापमान में गिरावट आई वहीं दूसरी तरफ कई इलाकों में पेड़ और बिजली के खम्भे गिर गए, जिससे कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट समेत उत्तर भारत के कई हवाई अड्डों पर विमान परिचालन भी प्रभावित हुआ। गुरुवार को भी धूल भरी आंधी आई थी और बारिश भी हुई थी। आज शाम आई तेज आंधी के कारण दिल्ली-एनसीआर में चारों तरफ धूल का गुबार ही नजर आ रहा था, जिसके कारण सड़कों पर पैदल ही नहीं बल्कि वाहन पर भी चलना दूभर हो गया। आंधी के बाद अचानक झमाझम बारिश भी होने लगी। यही हाल गुरुग्राम और नोएडा का भी रहा। वहां भी धूल भरी आंधी चलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों के दफ्तरों से निकलने का समय था कि तभी आंधी चलने लगी।धूल भरी आंधी के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर 15 उड़ानों को डायवर्ट किया गया। दिल्ली में मौसम बिगड़ने के चलते मेट्रो ट्रेनों की रफ्तार पर भी असर पड़ा। बिजली का खंभा गिरने से आईटीओ इलाके में यातायात प्रभावित हुआ। दिल्ली के सराय रोहिल्ला इलाके में पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर पर

मुंबई
विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवें हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार अप्रैल को समाप्त हफ्ते में 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि चार अप्रैल को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 6.59 अरब डॉलर बढ़कर 665.39 अरब डॉलर हो गया था। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 9.1 अरब डॉलर बढ़कर 574.09 अरब डॉलर हो गईं।

मैं काशी का हूं और काशी मेरी है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पीएम मोदी ने 3900 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

वाराणसी
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। काशीवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने 3900 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मेहंदीगंज में आयोजित विशाल जनसभा में पीएम ने भोजपुरी में भी काशीवासियों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने बार-बार काशी के प्रति अपने गहरे लगाव को दोहराया। उन्होंने कहा कि "काशी मेरी है और मैं काशी का हूं"।

जौने काशी के स्वयं महादेव चलावेलन...
प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में काशी के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में काशी ने विकास की नई गति पकड़ी है। उन्होंने कहा कि काशी अब केवल पुरातन नहीं, बल्कि प्रगतिशील भी है। इसने आधुनिकता को अपनाया है, विरासत को संजोया है और भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं। पीएम ने काशी को पूर्वांचल के आर्थिक नक्शे का केंद्र बताया और कहा, जौने काशी के स्वयं महादेव चलावेलन, आज उहे काशी पूर्वांचल के विकास के रथ के खींचत हौ। उन्होंने काशी की सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक बुनियादी ढांचे के सामंजस्य को भारत के विकास का एक अनूठा मॉडल करार दिया।

3900 करोड़ की 44 परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास
पीएम ने काशी और पूर्वांचल के लिए 3900 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें कनेक्टिविटी को मजबूत करने वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, गांव-गांव तक नल से जल पहुंचाने की योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और खेल के क्षेत्र में नई पहल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं पूर्वांचल को विकसित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी।

जीआई टैग से मिलेगी काशी की कला को वैश्विक पहचान

प्रधानमंत्री ने रमेश कुमार, अनिल कुमार और छिद्दु को जीआई पंजीकृत प्रमाणपत्र सौंपे। उन्होंने बताया कि वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों के 30 से अधिक उत्पादों को जीआई टैग प्रदान किया गया है, जिनमें तबला, शहनाई, ठंडई, लाल भरुआ मिर्च, लाल पेड़ा और तिरंगा बर्फी शामिल हैं। पीएम ने कहा कि जीआई टैग केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि हमारी मिट्टी की पहचान का पासपोर्ट है। ये काशी के हुनर को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाएगा। उन्होंने यूपी को जीआई टैगिंग में देश में नंबर वन बताया और कहा कि यह स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों के लिए गर्व का क्षण है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी से काशी की मिली नई रफ्तार

प्रधानमंत्री ने वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी पर जोर देते हुए बताया कि पिछले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में 45 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। इनमें फुलवरिया फ्लाईओवर, रिंगरोड, और गाजीपुर, जौनपुर, मिजार्पुर जैसे क्षेत्रों को जोड़ने वाले चौड़े रास्ते शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पहले छोटे-छोटे त्योहारों पर भी जाम लग जाता था। अब रास्ते चौड़े हुए हैं, समय बच रहा है। लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट के विस्तार के साथ-साथ 6 लेन का अंडरग्राउंड टनल, भिखारीपुर और मंडुआडीह में फ्लाईओवर और बनारस-सारनाथ को जोड़ने वाला नया पुल जैसे प्रोजेक्ट्स शुरू किए गए हैं।
पीएम ने काशी में शुरू होने वाले सिटी रोपवे का भी जिक्र किया, जो इसे दुनिया के चुनिंदा शहरों में शामिल करेगा।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर दी श्रद्धांजलि
संबोधन में पीएम ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती को याद किया और उनके नारी सशक्तिकरण और सामाजिक चेतना के प्रयासों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले और सावित्री बाई फुले ने नारी शक्ति के आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए जीवन समर्पित किया।

अब इलाज के लिए न जमीन बेचनी पड़ेगी, न कर्ज लेना पड़ेगा

पीएम ने बनास डेयरी के पशुपालकों को 106 करोड़ रुपये की बोनस राशि हस्तांतरित की। उन्होंने इसे पशुपालकों की मेहनत का पुरस्कार बताया और कहा कि ये कोई उपहार नहीं, बल्कि आपकी तपस्या का फल है। बनास डेयरी ने काशी में हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति को बदला है, खासकर महिलाओं को सशक्त बनाकर। पीएम ने कहा कि पूर्वांचल की अनेक बहनें अब लखपति दीदी बन चुकी हैं। पहले गुजारे की चिंता थी, अब उनके कदम खुशहाली की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है, जिसमें पिछले 10 वर्षों में 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बनास डेयरी काशी संकुल 1 लाख किसानों से दूध संग्रह कर रहा है और गीर गायों का वितरण कर पशुपालकों को सशक्त बना रहा है।

अब इलाज के लिए न जमीन बेचनी पड़ेगी, न कर्ज लेना पड़ेगा
प्रधानमंत्री ने आयुष्मान वय वंदना कार्ड का भी वितरण किया, जिनमें दिनेश कुमार रावत, राजेंद्र प्रसाद और दुर्गावती शामिल थे। इस योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। पीएम ने कहा कि आज बुजुर्गों के चेहरों पर संतोष का भाव मेरे लिए इस योजना की सबसे बड़ी सफलता है।

अब इलाज के लिए न जमीन बेचनी पड़ेगी, न कर्ज लेना पड़ेगा। आपके इलाज का खर्च अब सरकार उठाएगी। उन्होंने बताया कि काशी में अब तक 50 हजार आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिली है।

मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, दिल्ली के सभी डार्क स्पॉट्स खत्म किए जाएंगे

नई दिल्ली
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सुरक्षित और सुव्यवस्थित दिल्ली के लिए सभी डार्क स्पॉट्स को खत्म कर-के उन्हें रोशन करने की योजना पर तेजी से काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इसमें कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद भी मौजूद रहे। इस बैठक में मुख्य रूप से राजधानी के यातायात व्यवस्था, सार्वजनिक स्थानों पर लाइट्स की व्यवस्था और 'डार्क स्पॉट्स', बेघर एवं बेसहारा लोगों के लिए आश्रय गृहों की व्यवस्था जैसे बड़े मुद्दों की समीक्षा की गई। बैठक में दिल्ली पुलिस, शहरी विकास विभाग, परिवहन विभाग, सामाजिक कल्याण विभाग, पीडब्ल्यूडी, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित तमाम विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि राजधानी के 4000 चिह्नित डार्क स्पॉट्स को रोशन करने की योजना पर तेजी से काम किया जाएगा। यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 233 ट्रैफिक कंजेशन पॉइंट्स की पहचान की गई है, जिनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

तमिलनाडु में बीजेपी और एआईडीएमके में हुआ गठबंधन, डीएमके को उखाड़ फेकेंगे: शाह

चेन्नई
तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और एआईएडीएमके के बीच गठबंधन हो गया है। इसका एलान चेन्नई दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया है। चेन्नई में एआईएडीएमके नेता ई. के. पलानीस्वामी के साथ प्रेसवार्ता में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'आज एआईएडीएमके और भाजपा के नेताओं ने मिलकर तय किया है कि आने वाला तमिलनाडु विधानसभा चुनाव एआईएडीएके, भाजपा और सभी साथी दल मिलकर एनडीए के रूप में एक साथ लड़ेंगे।' इस दौरान अमित शाह ने कहा- एनईईटी और परिसीमन का मुद्दा ये (विपक्ष) लोग ध्यान भटकाने के लिए खड़ा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा- अन्नाद्रमुक की कोई शर्त और मांग नहीं है... अन्नाद्रमुक के आंतरिक मामलों में हमारा कोई हस्तक्षेप नहीं होगा... यह गठबंधन एनडीए और अन्नाद्रमुक दोनों के लिए फायदेमंद होने वाला है।

पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव- अमित शाह
तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए गठबंधन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'ये चुनाव राष्ट्रीय स्तर पर पीएम मोदी के नेतृत्व में और राज्य स्तर पर एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे'। इस दौरान अमित शाह ने कहा, 'हम जनता के असली मुद्दों को लेकर जनता के बीच में जाएंगे और तमिलनाडु की जनता असली मुद्दों को जानती है और डीएमके से जवाब भी चाहती है।'

लोकतांत्रिक सुदृढ़ीकरण के लिए उठाए गए कदमों को किया रेखांकित: उपसभापति हरिवंश

नई दिल्ली
राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने ताशकंद में आयोजित अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 150वीं सभा के दौरान भारत सरकार द्वारा जवाबदेही को बेहतर बनाने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सशक्त करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों को रेखांकित किया। ये अभ्युक्तियां आईपीयू संकल्पों और निर्णयों के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित विशेष सत्र में की गई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, शोषण, तस्करी, और हिंसा के विरुद्ध एक व्यापक रणनीति लागू की है, जिसके अंतर्गत द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और इन मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय पहलों में भागीदारी की गई है। भारत ने सशक्त संसदीय लोकतंत्र, स्वतंत्र न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसे संस्थानों की स्थापना हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए की है। उपसभापति सभा की मुख्य कार्यवाही और गवर्निंग काउंसिल की बैठक का भी हिस्सा थे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया जिसमें दोनों सभाओं के सदस्य सम्मिलित थे। आईपीयू सभा का विषय सामाजिक विकास और न्याय हेतु संसदीय कार्रवाई था। अपने पांच दिवसीय ताशकंद दौरे के दौरान उपसभापति ने विभिन्न देशों के पीठासीन अधिकारियों और राष्ट्राध्यक्षों के साथ कई अन्य द्विपक्षीय बैठकें की। राज्य सभा सचिवालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया उपसभापति और लोक सभा अध्यक्ष ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव से भी शिष्टाचार भेंट की।

आयोग ने ऑटो कंपोनेंट विनिर्माण के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन का दिया सुझाव

नई दिल्ली
नीति आयोग ने शुक्रवार को "ऑटोमोटिव उद्योगः वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी का सशक्तिकरण" की रिपोर्ट लॉन्च की। इस रिपोर्ट में आयोग ने सरकार को ऑटो कंपोनेंट निर्माण के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन प्रदान करने और वैश्विक ऑटोमोटिव बाजारों में भारत को एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के लिए ब्राउनफील्ड बड़े पैमाने पर ऑटो क्लस्टर विकसित करने का सुझाव दिया है। नीति आयोग ने जारी एक बयान में बताया कि नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने "ऑटोमोटिव उद्योगः वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी को सशक्त बनाना" शीर्षक वाली रिपोर्ट को लॉन्च किया। देश का ऑटोमोटिव कंपोनेंट उत्पादन 2030 तक 145 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ जाएगा, जबकि निर्यात 20 अबर अमेरिकी डॉलर से तीन गुना बढ़कर 60 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने इस रिपोर्ट को डॉ. वी.के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग, डॉ. अरविंद विरमानी, सदस्य, नीति आयोग और बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम, सीईओ, नीति आयोग के साथ मिलकर पेश किया। यह रिपोर्ट भारत के ऑटोमोटिव क्षेत्र का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है। इसमें अवसरों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया और वैश्विक ऑटोमोटिव बाजारों में भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है।

'ईवीएम फुलप्रूफ, डेटा तक अनधिकृत रूप से कोई नहीं पहुंच सकता

नई दिल्ली
भारतीय चुनाव आयोग ने हैकर्स के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम में हेराफेरी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड के बयान का जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि भारतीय ईवीएम को फुलप्रूफ बनाया गया है। इसमें किसी भी नेटवर्क या वाई-फाई से कनेक्ट करने की क्षमता नहीं है। इसलिए ईवीएम के डेटा तक कोई भी अनधिकृत रूप से पहुंच नहीं सकता है। चुनाव आयोग के एक सूत्र ने कहा कि ईवीएम साधारण कैलकुलेटर के समान कार्य करती है, केवल वोटों की सही गणना करने के लिए ईवीएम होती हैं। आयोग ने जोर देकर कहा कि पांच करोड़ से अधिक मतदाताओं द्वारा सत्यापित पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियों को वोटों की गिनती के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सावधानीपूर्वक सत्यापित और मिलान किया गया।

सुहेलदेव का स्मारक भारत की विजय का प्रतीकः सीएम योगी

वाराणसी/लखनऊ
महाराज सुहेलदेव ने 1000 साल पहले विदेशी आक्रांता सालार मसूद को तीन लाख की सेना सहित पराजित कर भारत की विजय पताका फहराई थी। लेकिन गुलामी की मानसिकता ने उनके गौरवशाली इतिहास को भुला दिया। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाज के सामने उस गौरव को फिर से जीवित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये बातें शुक्रवार को वाराणसी में पिंडरा ब्लॉक के फतेपुर में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की पूज्यनीय माता स्वर्गीय जितना देवी राजभर की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहीं।

यह स्मारक देश को बांटने और गद्दारी करने की साजिश रचने वालों के लिए चेतावनी
सीएम योगी ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि आज ऐसी पुण्य भूमि पर हूं, जो चक्रवर्ती सम्राट सुहेलदेव के पराक्रम की भूमि है। उन्होंने कहा कि महाराज सुहेलदेव ने 1000 साल पहले बहराइच की धरती पर विदेशी आक्रांता सालार मसूद को पराजित कर भारत की विजय पताका फहराई थी। आज महाराज सुहेलदेव का स्मारक बनकर तैयार हो चुका है, जो भारत की विजय और विदेशी आक्रांताओं के लिए एक चुनौती का प्रतीक है। यह स्मारक उन लोगों के लिए भी चेतावनी है, जो आज भी देश को बांटने और गद्दारी करने की साजिश रच रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने बहु-क्षेत्रीय वातावरण में सशस्त्र बलों को भविष्य के लिए तैयार रहने की सलाह दी

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों को सलाह दी है कि आज के लगातार विकसित हो रहे बहु-क्षेत्रीय वातावरण में संयुक्त रूप से काम करके भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए, जहां साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध आदि पारंपरिक अभियानों की तरह ही शक्तिशाली हैं। उन्होंने अधिकारियों से रणनीतिक-सैन्य परिवर्तन के लिए बारीकियों का गहराई से अध्ययन करने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री गुरुवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) के 80वें स्टाफ कोर्स के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की वैश्विक भू-राजनीति को तीन प्रमुख मापदंडों से पुनर्परिभाषित किया जा रहा है। सरकार सशस्त्र बलों को बहु-क्षेत्रीय एकीकृत संचालन में सक्षम तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध के लिए तैयार बल में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। भारत को अपनी सीमाओं पर लगातार खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जो उसके पड़ोस से उत्पन्न होने वाले छद्म युद्ध और आतंकवाद की चुनौती से और भी जटिल हो गए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती हुई प्रौद्योगिकियां युद्ध में क्रांति ला रही हैं। यूक्रेन-रूस संघर्ष में ड्रोन एक नए हथियार के रूप में

उभरे हैं। सैनिकों और उपकरणों के अधिकांश नुकसान के लिए पारंपरिक तोपखाने के बजाय ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसी तरह पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष क्षमताएं, सैन्य खुफिया, निरंतर निगरानी और संचार को बदल रही हैं, जिससे युद्ध एक नए स्तर पर पहुंच रहा है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि दुनिया ग्रे जोन और हाइब्रिड युद्ध के युग में है, जहां साइबर हमले, दुष्प्रचार अभियान और आर्थिक युद्ध ऐसे उपकरण बन गए हैं, जिनसे एक भी गोली चलाए बिना राजनीतिक-सैन्य लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। राजनाथ सिंह ने प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन जैसे गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों के अलावा पश्चिम एशिया में संघर्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव के समग्र सुरक्षा गणित पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी बात की। उन्होंने भविष्य के युद्धों के लिए सक्षम और प्रासंगिक बने रहने के लिए सशस्त्र बलों के परिवर्तन को जोरदार तरीके से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। रक्षा मंत्री ने आत्मनिर्भरता के माध्यम से सशस्त्र बलों के विकास और आधुनिकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कम लागत वाली उच्च तकनीक विकसित करने और सशस्त्र बलों की युद्ध क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारे बलों को न केवल तकनीकी परिवर्तनों के साथ तालमेल रखना चाहिए, बल्कि इसका नेतृत्व भी करना चाहिए।

पटेल ने राजभवन के प्रवेश द्वार एक एवं दो के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का किया भूमिपूजन

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आज यहां राजभवन के प्रवेश द्वार एक एवं दो के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। उन्होंने विधि विधान से पूजन अर्चन किया और

गेती चलाकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। भूमिपूजन कार्यक्रम राजभवन प्रवेश द्वार एक पर आयोजित किया गया।श्री पटेल ने जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य परियोजना की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे। कार्य को समय सीमा में पूर्ण करें। राजभवन के प्रवेश द्वार एक एवं दो के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की कुल लागत 66 लाख 32 हजार 900 रुपये है। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी अरविंद पुरोहित, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री अवनीन्द्र सिंह, कार्यपालन यंत्री राकेश निगम और एसडीओ एल के गुप्ता, नियंत्रक हाउस होल्ड राजभवन शिल्पी दिवाकर और राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

आशीष सूद ने पंखा रोड क्षेत्र का निरीक्षण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा एवं गृह मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को जनकपुरी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पंखा रोड के आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया और वहां की समस्याओं के समाधान के लिए ट्रैफिक पुलिस, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम समेत अन्य संबंधित

विभागों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपस में तालमेल कर इन सब कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। श्री सूद ने पंखा रोड पर नाले की नियमित साफ सफाई के लिए अधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने पंखा रोड पर सी 1 ओर चाणक्य प्लेस के पास दो बड़े कूड़ा घरों के आसपास हरित क्षेत्र बनाने, स्टील की ग्रिल लगाने, कूड़े को नियमित आधार पर उठाने के लिए नगर निगम, फ्लड विभाग को प्रस्ताव बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने पंखा रोड नाले के ऊपर से जा रहे बिजली के तारों को भूमिगत करने के लिए बीएसईएस के अधिकारियों को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्री सूद ने पाया कि पंखा रोड पर चाणक्य प्लेस 20 फुटा रोड और सीतापुरी के प्रवेश द्वार काफी जर्जर हालत में है और उससे कभी भी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को आदेश दिए कि वह इन दोनों एंट्री गेट को जल्द बनाएं। उन्होंने यह भी कहा की दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हमें विकसित दिल्ली के संकल्प को पूरा करना है। दिल्ली सरकार दिल्ली के सभी क्षेत्र को विकसित बनाने की दिशा में मिशन मो में काम कर रही है। सभी मंत्री अपने-अपने क्षेत्र में दिन रात मेहनत कर रहे हैं और दिल्ली की जनता को सभी सुविधाएं देने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी कामों के परिणाम जल्द ही नजर आएंगे।

वायनाड भूस्खलन प्रभावितों के कर्ज माफ नहीं करने पर प्रियंका ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। वायनाड की सांसद एवं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पिछले साल उनके निर्वाचन क्षेत्र में हुए विनाशकारी भूस्खलन से प्रभावित लोगों के कर्ज माफ न करने के केंद्र सरकार के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने सरकार के इस फैसले को विश्वासघात करार दिया है। प्रियंका का यह बयान केंद्र सरकार के उस हलफनामे के बाद आया है, जो सरकार द्वारा केरल हाई कोर्ट में दिया गया है। प्रियंका ने अपनी नाराजगी का जाहिर करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों ने सब कुछ खो दिया है–घरों, जमीन, आजीविका। फिर भी, सरकार एक भी ऋण माफी देने से इनकार कर रही है। इसके बजाय, उन्हें केवल ऋण पुनर्निर्धारण और पुनर्गठन मिल रहा है। यह राहत नहीं है। यह एक धोखा है। हम इस उदासीनता की कड़ी निंदा करते हैं और वायनाड के अपने भाइयों और बहनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उनके दर्द को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा–हम हर मंच पर उनकी आवाज उठाएंगे जब तक न्याय नहीं मिल जाता। गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने अपने हलफनामे में कहा है कि ऋणों को केवल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राकृतिक आपदाओं के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों के तहत पुनर्निर्धारित या पुनर्गठित किया जाएगा।

मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा अमेरिका से दिल्ली लाया गया

अब होगी आधिकारिक गिरफ्तारी

एजेंसी

नई दिल्ली । 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में राणा को गुरुवार दोपहर बाद करीब पौने तीन बजे दिल्ली एयरपोर्ट लाया गया, जहां उसे कड़ी सुरक्षा के बीच विशेष स्थान पर रखा गया है। सूत्रों के अनुसार, अब तहव्वुर राणा की औपचारिक

गिरफ्तारी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों ने राणा की मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से सख्त कर दिया है। उसकी कस्टडी के दौरान किसी भी संभावित खतरे को भांपते हुए सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता बरत रही हैं।

एनआईए को उम्मीद है कि तहव्वुर राणा की गिरफ्तारी और उससे पूछताछ से 26/11 हमले की साजिश के कई अहम और गहरे पहलू सामने आ सकते हैं। इससे पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं की भूमिका और नेटवर्क को बेनकाब करने में मदद मिल सकती है। गौरतलब है कि तहव्वुर राणा, पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकी डेविड हेडली का करीबी माना जाता है और उसी के जरिए उसने हमले की तैयारी में अहम भूमिका निभाई थी। 26/11 मुंबई हमला भारत के इतिहास में सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक था, जिसमें 10 आतंकवादियों ने मुंबई के कई प्रमुख स्थानों पर हमला किया था। इस हमले में 166 लोग मारे गए थे और सैकड़ों घायल हुए थे।

तहव्वुर राणा की तरह दाऊद को भी पाकिस्तान से लाए केंद्र सरकार : विजय वडेट्टीवार

एजेंसी

नागपुर । 26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत लाए जाने पर महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा को काफी सालों बाद भारत लाया जा रहा है। मैं इतना ही कहूंगा कि उसे तुरंत फांसी दी जानी चाहिए। 26/11 के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार ने बात करते हुए कहा, देश के गृह मंत्री कह रहे हैं कि उसे (तहव्वुर राणा) भारत लाना सरकार की बड़ी उपलब्धि है, लेकिन अगर उसे 11 साल बाद ला रहे हैं, तो उसे यहां लाने के तुरंत बाद फांसी पर लटका दें। उसे बिना किसी देरी के सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, अगर सरकार के लिए यह बड़ी उपलब्धि है तो मैं इतना ही कहूंगा कि सरकार दाऊद को भी

लेकर आए, जबकि वह तो बहुत नजदीक बैठा है। अगर अमेरिका से तहव्वुर राणा को लाया जा सकता है तो पाकिस्तान से दाऊद को क्यों नहीं लाया जा सकता। उनमें हिम्मत है तो मुंबई में आतंक मचाने वाले को भी पकड़कर भारत लेकर आए।

बंगाल में हर्षोल्लास से मनी महावीर जयंती, ममता और शुभेंदु ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में जैन धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक महावीर जयंती पूरे धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी तथा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। यह दिन वर्तमान अवसर्पिणी के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर (सर्वोच्च उपदेशक) महावीर के जन्म का उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। सुश्री बनर्जी ने एक संदेश में कहा, महावीर जयंती के पावन अवसर पर सभी को शुभकामनाएं। भगवान महावीर की शांति, सत्य और अहिंसा की शिक्षाएं हम सभी को प्रेरित करें। राज्य सरकार ने महान भगवान महावीर के सम्मान में सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित किया है। श्री अधिकारी ने एक अलग संदेश में लोगों को महावीर जयंती के पावन अवसर पर

शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, भगवान महावीर की अहिंसा, करुणा और निस्वार्थता की शाश्वत शिक्षाएं हम सभी का मार्गदर्शन करें और हमें सही मार्ग पर चलने तथा अपने समाज को शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण बनाने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करें।

बिहार में तेजस्वी यादव की खटिया खड़ी हो गई है : केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय

'यह कानून गरीब मुसलमानों के हित में है, न कि किसी के खिलाफ।'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की कमान संभाली है, तब से देशद्रोहियों पर सख्त नजर रखी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में आतंकवाद को लगभग खत्म करने की दिशा में बड़ी सफलता मिली है। देशद्रोहियों पर कड़ी कार्रवाई हुई है और अब कोई भी बचने वाला नहीं है।उन्होंने वक्फ कानून को लेकर विपक्षी नेताओं पर भी निशाना साधा। तेजस्वी यादव के वक्फ कानून को 'डस्टबिन में

डालने' वाले बयान पर राय ने कहा कि जनता उनकी राजनीति को नकार रही है। उन्होंने दावा किया कि यह कानून संसद से पास हुआ है और इसे कोई चुनौती देने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध में हो रही हिंसा पर भी टिप्पणी की। उनका कहना था कि कुछ लोग इस कानून को समझे बिना लोगों को भड़का रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कानून गरीब मुसलमानों के हित में है, न कि किसी के खिलाफ। राय ने कहा, यह कानून वक्फ संपत्ति का दुरुपयोग रोकने और गरीबों के कल्याण के लिए बनाया गया है। इसी कारण देश का कोई गरीब मुसलमान इसका विरोध नहीं कर रहा। बिहार में 'पलायन रोको यात्रा' के संदर्भ में राय ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के माता-पिता के 15 साल के शासन में बिहार में गुंडाराज और जंगलराज कायम हुआ था। उद्योग-धंधे बंद हो गए, बेरोजगारी बढ़ी और लोग पलायन करने को मजबूर हुए।उन्होंने दावा किया कि एनडीए सरकार बनने के बाद विकास को गति मिली है और रोजगार के अवसर बढ़े हैं, जिससे पलायन रुक गया है।

अगले दो साल में मध्यप्रदेश का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा होगा : गडकरी

'देश के विकास में चार चीजें अहम हैं, पानी, ऊर्जा, परिवहन सेवाएं और संचार'

एजेंसी

बदनावर (धार)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने आज मध्यप्रदेश को हजारों करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं की सौगात देते हुए विश्वास जताया कि अगले दो साल में राज्य का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा होगा। श्री गडकरी धार जिले के बदनावर के खेड़ा गांव में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, राज्य सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह और अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि किसी भी देश के विकास में

चार चीजें अहम हैं, पानी, ऊर्जा, परिवहन सेवाएं और संचार। इनसे रोजगार बढ़ते हैं। डॉ मोहन यादव के हाथों में मध्यप्रदेश को सुखी बनाने का मिशन है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य से जुड़ीं बहुत सी सड़क परियोजनाओं का संदर्भ देते हुए कहा कि अगले दो साल में मध्यप्रदेश का नेशनल हाईवे रोड नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा बनेगा, इस बात का वे राज्य को विश्वास दिलाना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि वे जो घोषणा करते हैं, वो हवा में नहीं जाती। जो बात वे करेंगे, उसे पूरा करेंगे। श्री गडकरी ने कहा कि आने वाले समय मेंस्मार्ट विलेज की परिकल्पना को साकार करना है, जिससे किसान धनवान बनें, हर गांव में सड़क बनें। गांवों में रोजगार मिलें। सुविधा मिलें। उन्होंने कहा कि वे वेस्ट बायोमास से डामर बना रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार से अनुरोध किया कि मध्यप्रदेश में इसकी पहल कीजिए। इससे उत्पाद के तौर पर लिग्नल निकलता है। आइल कंपनियां जैसे इथेनॉल खरीदती हैं, वैसे अब इसे खरीदेंगी, इससे किसान समृद्ध होगा। इस तरह किसान अब ईंधन दाता बनेगा। उन्होंने कहा कि देश में अब पराली से ईंधन बन रहा है।श्री गडकरी ने डॉ यादव से अनुरोध किया कि जल जंगल जमीन और जानवर पर आधारित तकनीक का उपयोग करके नये हिंदुस्तान के निर्माण में सहयोग करें।

वक्फ कानून पर तेजस्वी यादव का बयान गरीब पसमांदा मुसलमानों के खिलाफ : गिरिराज सिंह

एजेंसी

पटना । बिहार में वक्फ कानून को लेकर सियासी तापमान चढ़ता जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक तेजस्वी यादव ने गुरुवार को कहा कि अगर 2025 में उनकी सरकार सत्ता में आई तो बिहार में वक्फ कानून को लागू नहीं होने दिया जाएगा। इस बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला बोला और कहा कि उनकी सरकार बनने की बात तो दूर, संसद से पारित कानून पूरे देश में लागू होता है और तेजस्वी का बयान गरीब पसमांदा मुसलमानों के खिलाफ है। तेजस्वी यादव ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वक्फ कानून को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह बिल अल्पसंख्यक समुदाय के हितों के

खिलाफ है और उनकी पार्टी इसे बिहार में लागू नहीं होने देगी। तेजस्वी ने भाजपा और जदयू पर मुस्लिम विरोधी नीतियों को लागू करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर जनता ने राजद को मौका दिया तो इस कानून को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा।

भजनलाल ने बारां, राजसमंद और दौसा जिलों के स्थापना दिवस की दी शुभकामनाएं

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बारां, राजसमंद और दौसा जिलों के स्थापना दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर श्री शर्मा ने सोशल मीडिया के माध्यम से गौरवशाली परम्पराओं, समृद्ध संस्कृति एवं विविधतापूर्ण विरासत से परिपूर्ण हाड़ौती की शान बारां जिले के स्थापना दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने ईश्वर से सभी नागरिकों का जीवन सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली से परिपूर्ण रहने की प्रार्थना की। इसी तरह उन्होंने गौरवशाली इतिहास एवं अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण राजसमन्द जिले के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और भगवान श्रीनाथजी के आशीर्वाद से सभी नागरिकों का जीवन सुख, समृद्धि और खुशहाली से अभिसिंचित होने की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री ने अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध संस्कृति, एवं

ऐतिहासिक विरासत से परिपूर्ण दौसा के स्थापना दिवस की भी सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए प्रभु से प्रार्थना की कि सभी दौसा वासियों का जीवन सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य एवं सफलता से परिपूर्ण हो।

स्कूल में मिलने वाले भोजन के लिए, 954 करोड़ रुपये की अतिरिक्त लागत वहन करेगी सरकार

इस योजना का उद्देश्य पोषण सहायता प्रदान करना और विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना है।

एजेंसी

नई दिल्ली । पीएम पोषण योजना के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को गर्म पका हुआ भोजन दिया जाता है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसमें उपयोग होने वाली सामग्री लागत में 9.50 फीसदी की वृद्धि की है। इस वृद्धि के कारण केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 954 करोड़ रुपये की अतिरिक्त लागत वहन करेगी। इससे विद्यार्थियों को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन मिलता रहेगा। ये नई दरें 1 मई से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होंगी। पीएम पोषण योजना एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसके अंतर्गत 10.36 लाख सरकारी और सरकारी

सहायता प्राप्त विद्यालय आते हैं। यहां बाल वाटिका और कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत 11.20 करोड़ विद्यार्थियों को दिन में एक बार गर्म पका हुआ भोजन दिया जाता है। इस योजना का उद्देश्य पोषण सहायता प्रदान करना और विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना है। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि पीएम पोषण योजना के अंतर्गत भोजन बनाने के लिए दाल, सब्जियां, तेल, मसाले और ईंधन आदि की खरीद के लिए 'सामग्री लागत' प्रदान की जाती है। सामग्री लागत के अलावा, भारत सरकार भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से लगभग 26 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न भी उपलब्ध कराती है। भारत सरकार खाद्यान्न की 100 प्रतिशत लागत वहन करती है। इसमें प्रति वर्ष लगभग 9,000 करोड़ रुपये का अनुदान और भारतीय खाद्य निगम डिपो से विद्यालयों तक खाद्यान्न की 100 प्रतिशत परिवहन लागत शामिल है। योजना के अंतर्गत खाद्यान्न लागत सहित सभी घटकों को जोड़ने के बाद प्रति भोजन लागत बाल वाटिका और प्राथमिक कक्षाओं के लिए लगभग 12.13 रुपये और उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए 17.62 रुपये आती है।केंद्रीय श्रम मंत्रालय का श्रम ब्यूरो, पीएम पोषण के अंतर्गत इन वस्तुओं के लिए मुद्रास्फीति के आंकड़े प्रदान करता है।

राहुल गांधी ही कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी समस्या हैं : मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी पार्टी के लिए सबसे बड़ी समस्या राहुल गांधी हैं। गुजरात में कांग्रेस के अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि कांग्रेस से उन नेताओं को रिटायर हो जाना चाहिए जो अब प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। भाजपा ने खड़गे के इस बयान को राहुल गांधी के साथ जोड़ा है। भाजपा का मानना है कि खड़गे ने यह बयान राहुल गांधी के संदर्भ में दिया है।मुख्तार अब्बास नकवी ने समाचार एजेंसी बातचीत के दौरान कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सबसे पहले पार्टी से राहुल गांधी को रिटायर करना होगा क्योंकि उनकी पार्टी के लिए राहुल गांधी ही सबसे बड़ी समस्या हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे जब इसका अध्ययन करेंगे तो उन्हें पता चल जाएगा। तहव्वुर राणा को भारत लाने पर भाजपा नेता ने कहा कि जो कोई भी देश का दुश्मन है या जिसने देश के खिलाफ अपराध किया है, उसे देश के कानून के तहत सजा होगी। यह कांग्रेस के नेतृत्व वाले तुष्टिकरण का युग नहीं है, जहां देश की सार्वजनिक संपत्ति लूटने वालों को सुरक्षित मार्ग दिया जाता था।

महिपालपुर से दिल्ली पुलिस ने एक बांग्लादेशी नागरिक को दबोचा

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने भारत में अवैध रुप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को महिपालपुर इलाके से गिरफ्तार किया। आरोपित मोहम्मद 15 वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। आरोपित को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बांग्लादेश भेजने के लिए निर्वासन केंद्र में भेज दिया गया है। एसीपी विजय सिंह ने बताया कि स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर विजय बालियान की टीम अवैध प्रवासियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। इसी कड़ी में टीम को सूचना मिली कि महिपालपुर इलाके में एक अवैध बांग्लादेशी नागरिक रह रहा है। पुलिस ने संदिग्ध मोहम्मद की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खुद को भारतीय नागरिक बताया, लेकिन सही दस्तावेज दिखाने में वह असफल रहा। जिसके बाद सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह मोंटो पुत्र मो. यूसुफ निवासी ग्राम मोलूगंज, थाना सोलुमखुला, जिला बागिरहाट, बांग्लादेश का रहने वाला है। 15 वर्ष से भारत में गैर कानूनी तरीके से रह रहा था। अधिकारी ने बताया कि कानूनी औपचारिकताओं के बाद मोहम्मद को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) निर्वासन केंद्र भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि और अधिक अवैध प्रवासियों का पता लगाने और निर्वासित करने के लिए अभियान जारी है।

मेट्रो पुलिस ने तीन महिला चोर को पकड़ा

नई दिल्ली। राजीव चौक मेट्रो पुलिस ने मेट्रो में चोरी करने वाली तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिला चोर की पहचान इंदुकला, नीता और सुमन के रूप में हुई है। तीनों आनंद पर्वतकी रहने वाली है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार लाख रुपये के आभूषण बरामद किए हैं। मेट्रो पुलिस के अनुसार एक अप्रैल को राजीव चौक मेट्रो पुलिस को चार लाख के आभूषण की चोरी की शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह राजीव चौक स्टेशन में यलो लाइन से उतरी थी, तभी किसी ने बैग से आभूषण चोर कर लिए। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर मामला दर्ज किया। मेट्रो पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा की तो पता चला कि कुछ संदिग्ध महिला यात्री करोल बाग मेट्रो स्टेशन से मेट्रो में चढ़ी थीं। आरोपितों की आगे की पहचान के लिए मेट्रो ट्रेन के अंदर के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया तो पता चला कि करोल बाग मेट्रो स्टेशन से चढ़ने वाली महिलाएं शिकायतकर्ता और उसके परिवार के पास आई थीं। पुलिस ने तीनों महिलाओं की पहचान कर आनंद पर्वत में छापा मारकर इन्हें गिरफ्तार किया।

संस्कृत सीखें, दिल्ली में हो रहा है निशुल्क शिविरों का आयोजन

नई दिल्ली। संस्कृत भारती संस्कृत के प्रचार- प्रसार के लिए वर्ष 1981 से कार्यरत है। इस वर्ष संस्कृत भारती दिल्ली में लोगों को संस्कृत से जोड़ने के लिए 1008 संस्कृत संभाषण शिविर आयोजित करेगी। 23 अप्रैल से 4 मई तक दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर निशुल्क इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री जयप्रकाश गौतम के अनुसार संस्कृत लिखना, पढ़ना और बोलना सीखने से हम शास्त्रों में निहित हर प्रकार के ज्ञान और विज्ञान को जान सकते हैं। इसलिए दिल्ली के 1008 स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृत भारती के अनुसार कोई भी व्यक्ति इन स्थानों पर जाकर प्रतिदिन दो घंटे का समय देकर संस्कृत में संभाषण सीख सकता है। संस्कृत संभाषण शिविरों को 1008 संस्कृत शिक्षक चलाएंगे। इसमें भाग लेने के लिए एक अप्रैल से संस्कृत भारती की वेबसाइट पर पंजीकरण चल रहा है। लोगों के निकट किसी नगर में मंदिर, विद्यालय या सोसाइटी में इनका आयोजन होगा। रोजाना 10 दिन लगातार दो घंटे का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन शिविरों का स्थानीय लोगों की सुविधा अनुसार आयोजन किया जाएगा।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण नए भारत के संकल्प का प्रतिबिंब: शहजाद पूनावाला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण कोई आम प्रत्यर्पण नहीं है, ये नए भारत के संकल्प का प्रतिबिंब है। इसे 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परिभाषित करते हुए कहा था? कि अगर कोई भारत की अखंडता, एकता, सुरक्षा, अस्मिता या किसी भी निर्दोष भारतवासी पर हमला करने की जुर्रत करेगा तो भारत ऐसे आतंकी को पाताल से भी खोज कर न्याय के पथ पर लाने का काम करेगा। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह मोदी सरकार की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है कि मुंबई हमले का मुख्य साजिशकर्ता और 160 से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या का दोषी, आतंकी तहव्वुर राणा को भारत लाकर न्याय के कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। यूपीए शासन में आतंक को बढ़ावा देने वाले देशों को 'एमवीएन' यानि 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' का दर्जा दिया जाता था लेकिन अब अगर उरी या पुलवामा जैसे हमले होते हैं, तो उन्हें 'एमवीएन' नहीं, बल्कि -एमटीजे? यानि 'मुंहतोड़ जवाब' का दर्जा दिया जाता है। यह वही नया भारत है, जिसकी ध्वनि 26/11 की हर बरसी पर गूंजती है कि इंडिया विल नेवर फॉरगिव, इंडिया विल नेवर फॉरगेट। चाहे वह पाताल में ही क्यों न हो, भारत आतंकियों की गर्दन पकड़ कर उन्हें न्याय के मार्ग पर लाने की ताकत रखता है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस यूपीए शासन के दौरान वोटबैंक तुष्टीकरण के लिए आतंकियों पर कार्रवाई नहीं करती थी, जिसकी सजा आतंकवाद झेलने वाले निर्दोष लोगों को मिलती थी। पूनावाला ने कहा कि पूरे भारतवर्ष का जैन समुदाय भगवान महावीर के जन्मकल्याणक, जिसे हम महावीर जयंती कहते हैं, मना रहा है।

भगवान महावीर ने हमेशा अहिंसा, सत्य, शांति और न्याय का संदेश दिया और इन्हीं सिद्धांतों को अपनाने का मार्ग दिखाया। आज उन्हीं सिद्धांतों पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में काम कर रही सुरक्षा एजेंसियों, आतंकवाद विरोधी एजेंसियों, अभियोजन और खुफिया एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह सिर्फ 138 भारतीय पीड़ितों के लिए ही नहीं, बल्कि 26/11 हमले में मारे गए अमेरिका, इजराइल, फ्रांस, जर्मनी, इटली और मलेशिया सहित 17 से 18 देशों के नागरिकों के लिए भी न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। आज तुकाराम ओंबले से लेकर मेजर संदीप उन्नीकृष्णन, हवलदार गजेंद्र सिंह से लेकर मुंबई पुलिस के वीर अधिकारी विजय सालस्कर तक, हर शहीद सुरक्षाकर्मी, हर एनसीजी कमांडो के प्रति यह भारत की भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। यह एक स्पष्ट संदेश भी है कि भारत अपने सुरक्षा कर्मियों की शहादत और बलिदान को कभी नहीं भूलेगा। पूनावाला ने कहा कि आज जब तहव्वुर राणा को भारत लाया जा रहा है तो यह दृश्य पूरी दुनिया देख रही है। यह संदेश हर उस आतंकी, साजिशकर्ता और मास्टरमाइंड के लिए है कि चाहे आप दुनिया के किसी कोने में, किसी गुप्त स्थान में क्यों न छिपे हों, मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत आपको ढूंढ निकालेगा और आपके छिपने की जगह से बाहर निकालकर न्याय के कटघरे तक लाने का कार्य करेगा। पिछले 10 वर्षों में आतंक और आतंकवाद के प्रति हमारे दृष्टिकोण में एक बड़ा बदलाव आया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी को लेकर ममता को अवमानना नोटिस

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर टिप्पणी करने को लेकर एक वकील ने अदालत की अवमानना का नोटिस भेजा है। मामला 2016 की एसएससी भर्ती प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले से जुड़ा है, जिसमें पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। इससे करीब 26 हजार अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। ममता बनर्जी ने हाल ही में एक सभा में बेरोजगार हुए अभ्यर्थियों के पक्ष में बोलते हुए कहा था कि सरकार उनकी नौकरियां वापस दिलाने का प्रयास कर रही है। इसी बयान को आधार बनाकर वकील ने अदालत की अवमानना का आरोप लगाते हुए नोटिस भेजा है। उधर इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रभावित बेरोजगारों के पक्ष में खड़ी हैं। घोष ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि मुख्यमंत्री नौकरी गंवाने वालों का समर्थन कर रही हैं और उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास कर रही हैं। इस प्रक्रिया में बाधा

डालने के लिए ही अदालत की अवमानना का नोटिस भेजा गया है। कुछ लोग कानूनी जटिलताएं खड़ी कर इस प्रक्रिया की रफ्तार धीमी करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री न्यायपालिका का सम्मान करती हैं और निष्पक्ष न्याय में विश्वास रखती हैं। पुनर्विचार की मांग करना अदालत की अवमानना नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राम-वाम वोट से नहीं जीत सकते तो कोर्ट में जटिलता पैदा करते हैं।

इजराइली राजदूतों ने तहव्वुर राणा पर हार न मानने के लिए भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा के अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण के बाद इजराइल ने भारत सरकार की हार न मानने वाली कोशिशों की सराहना की है। इजराइल के राजदूत और राजनयिक ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति बताया है। भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अज़ार ने बयान जारी कर कहा, मैं आतंकवादियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए भारत सरकार की दृढ़ता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हम उन भयानक हमलों के लिए जवाबदेही की दिशा में उठाए गए इस कदम का स्वागत करते हैं, जिनमें इजराइलियों सहित कई लोगों की जान चली गई थी। वहीं, भारत में पूर्व इजराइली राजदूत मार्क सोफ़र ने भी आतंकी मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा पर हार न मानने के लिए भारत सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राणा के प्रत्यर्पण से आतंकवादियों को एक कड़ा संदेश जाता है कि भारत कभी हार नहीं मानेगा। उन्होंने आगे

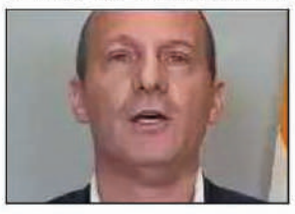

कहा कि भारतीय सरकार और उसके अधिकारी प्रशंसा के योग्य हैं जिन्होंने हार नहीं मानी और 17 साल से ज़्यादा समय से आतंकवादियों का पीछा किया और उन्हें न्याय के कटघरे में खड़ा किया।एक अन्य पूर्व इजराइली राजदूत डेनियल कार्मोन ने भी राणा के प्रत्यर्पण पर खुशी जताई है। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा, 26/11 के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा के अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक और कानूनी जीत है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर, गृह मंत्री अमित शाह और एनएसए अजीत डोभाल और उनकी टीमों को बधाई। उन्होंने आगे कहा कि आखिरकार न्याय मिलेगा। पीड़ित परिवारों को मुंबई त्रासदी के बारे में कुछ हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में कहीं भी आतंकवादियों को कोई माफी या दया नहीं मिलेगी। राजदूत के अलावा मध्यपश्चिम भारत में इजराइल के राजनायिक कोबी शोशानी का मानना है कि राणा का भारत आना मोदी सरकार की एक बड़ी कामयाबी है। शोशानी ने कहा, मैं भारत सरकार को बधाई देना चाहूंगा क्योंकि यह निश्चित रूप से मोदी सरकार, भारतीय कूटनीति के लिए एक बड़ी सफलता है। वर्षों की कोशिशों के बाद उसे भारत लाया जा सका है। इस घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नरेन्द्र मोदी के बेहतर रिश्ते की भी भूमिका रही है।

भाजपा 20 अप्रैल से 5 मई तक देशभर में 'वक्फ सुधार जनजागरण अभियान' चलाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी देशभर में 20 अप्रैल से लेकर 5 मई तक वक्फ सुधार जनजागरण अभियानचलाएगी। इसका उद्देश्य कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के झूठ का पर्दाफाश कर मुस्लिम भाई-बहनों को इस कानून की सच्चाई एवं लाभ से परिचित कराना है। इस संबंध में भाजपा केन्द्रीय कार्यालय में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें नेताओं को इस अभियान के बारे में जानकारी दी गई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि केंद्रीय कार्यालय में आयोजित वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 के माध्यम से वक्फ की जमीनों के बेहतर प्रबंधन, पारदर्शिता व सदुपयोग सुनिश्चित करती है। इस कानून के उपरांत वक्फ की संपत्ति का उपयोग गरीब मुसलमानों को विशेषाधिकार देने के साथ ही उनकी

शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित कराने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। जेपी नड्डा ने कहा कि हमारे गरीब मुस्लिम भाई-बहनों को लंबे समय से बरगलाने वाले कांग्रेस और उसके सहयोगी दल तुष्टीकरण की राजनीति से ग्रसित हैं। वक्फ बिल को लेकर मुस्लिम समुदाय को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी देशभर में 20 अप्रैल से लेकर 5मई तक वक्फ सुधार जनजागरण अभियान चलाएगी। इसके जरिये हमारे कार्यकर्ता कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के झूठ का पर्दाफाश कर मुस्लिम भाई-बहनों को इस कानून के सत्य व लाभ से परिचित कराएंगे। उल्लेखनीय है कि देश में नया वक्फ कानून लागू हो चुका है। केंद्र सरकार ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। 8 अप्रैल को वक्फ संशोधन बिल लागू होने से पहले विधेयक को संसद के दोनों सदनों से पास होने के लिए भेजा गया था।

डीपीडीपीए का मकसद सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता के साथ निजता मजबूत करना: अश्वनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम (डीपीडीपीए) को लेकर जताई गई शंकाओं का जवाब दिया है। उनका कहना है कि अधिनियम सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता बनाए रखते हुए गोपनीयता की आवश्यकता को सुसंगत बनाता है। डीपीडीपी अधिनियम की धारा 3 के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है। जयराम रमेश ने केन्द्रीय मंत्री को पत्र लिखकर कहा था कि डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 की धारा 44(3) वस्तुतः सूचना अधिनियम, 2005 के तहत मिले अधिकारों को समाप्त कर देगी। उन्होंने इस धारा को रोकने, समीक्षा करने और हटाए जाने का आग्रह किया था।इसके जवाब में मंत्री वैष्णव ने कहा कि यह

संशोधन व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक करने से नहीं रोकता बल्कि इसका उद्देश्य गोपनीयता अधिकारों को मजबूत करना और कानून के संभावित दुरुपयोग को रोकना है। कानूनी दायित्वों के तहत जरूरी जनप्रतिनिधियों और मनरेगा जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों से जुड़ी व्यक्तिगत जानकारी आरटीआई अधिनियम के तहत सार्वजनिक की जाती रहेगी। वैष्णव ने अपने जवाब में पुट्टस्वामी मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का जिक्र किया है। कोर्ट ने कहा था कि निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकार के रूप में संरक्षित जीवन के अधिकार का एक अभिन्न अंग है। निजता का यह अधिकार व्यक्तिगत सूचना की सुरक्षा से निकटता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इसी को देखते हुए नागरिक समाज और व्यापक परामर्श प्रक्रिया के दौरान सूचना के अधिकार और निजता के अधिकार के बीच सामंजस्यपूर्ण प्रावधानों की आवश्यकता पर जोर दिया गया था।

गोकुलपुरी हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली।उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में प्रेम-प्रसंग से नाराज भाइयों द्वारा बहन के प्रेमी की चाकू से गोदकर हत्या करने के मामले में पुलिस टीम अन्य आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि उनके बेटे के ऊपर चार लोगों ने हमला किया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए भी पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में कर लिया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि अभी तक जांच में दो ही आरोपित सामने आए है। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच के दौरान अगर किसी ओर की भूमिका सामने आयेगी तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं मृतक हिमांशु की मां लक्ष्मी ने आरोपितों के खिलाफ फांसी की मांग की है। उल्लेखनीय है कि सोमवार देर रात गोकुलपुरी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक को चाकू मार दिया है। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीपुलिस ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विपक्ष ने की डीपीडीपीए की आरटीआई को प्रभावित करने वाली धारा हटाने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन का कहना है कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम (डीपीडीपीए) की एक धारा सूचना के अधिकार कानून (आरटीआई) के तहत लोगों को मिली ताकत पर हमला करती है। इससे आरटीआई निष्प्रभावी हो जाएगा। विपक्ष ने इस धारा को हटाए जाने की मांग की है। विपक्षी आईएनडीआई गठबंधन के नेताओं ने यहां प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक संयुक्त पत्रकार वार्ता की। वार्ता में कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने मुख्य वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि आरटीआई एक्ट 2005 लोगों को सशक्त बनाने के लिए लाया गया था। हालांकि डीडीपीए की एक धारा से लोगों के अधिकार और मीडिया की स्वतंत्रता को छीनने की कोशिश की गई है।

डीपीडीपी अधिनियम को संसद में पारित होने के बाद 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी। हालांकि यह अभी लागू नहीं हुआ है। अधिनियम के तहत नियमों अधिसूचित करने के बाद इसे लागू किया जाएगा। गौरव गोगोई का कहना है कि विधेयक में संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों को नहीं माना गया। मणिपुर पर अविश्वास प्रस्ताव के बीच इसे 2023 में पारित करा

लिया गया। हम तब से इसके प्रभावों का अध्ययन कर रहे हैं। हाल ही में लोकसभा में सिविल सोसाइटी संगठन, गठबंधन के दलों और नागरिक समाज ने राहुल गांधी से मिलकर यह मुद्दा उठाया था।

विपक्ष ने अधिनियम की धारा 44 (3) को हटाए जाने की मांग की है और निर्णय लिया कि विपक्ष मिलकर एक कलेक्टिव पिटीशन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को देगा। उल्लेखनीय है कि डीपीडीपी अधिनियम की धारा 44 (3) में आरटीआई अधिनियम की धारा 8 (1) (द्ध) में बदलाव की बात कही गई है। इसपर आरटीआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि इससे 2005 के अधिनियम के तहत मिलने वाली जानकारी कम हो जाएगी। आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(द्ध) व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक करने से छूट प्रदान करती है। हालांकि इसमें कहा गया है कि सार्वजनिक हित में होने पर यह नियम लागू नहीं होता। नए अधिनियम से इसमें बदलाव किया गया है और सार्वजनिक हित का विषय हटा दिया गया है। इसे बदलकर 'व्यक्तिगत जानकारी से संबंधित है' कर दिया गया है।

दिल्ली के शाहदरा में 15 लाख की चोरी का खुलासा, दो सगे भाई गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित बाबरपुर इलाके में 15 लाख रुपए की चोरी के मामले को वेलकम थाना पुलिस ने चंद घंटों में सुलझा लिया। इस मामले में पुलिस ने एक वर्तमान कर्मचारी और एक पूर्व कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी सगे भाई हैं। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई राशि भी बरामद कर ली गई है।

दरअसल, वेलकम थाना को सूचना मिली कि शॉप नंबर डब्ल्यू-3, मेन रोड, बाबरपुर में चोरी की घटना हुई है। शिकायतकर्ता दीपराज श्रीवास्तव ने बताया था कि उनकी दुकान से 15 लाख रुपए नकद और कुछ अन्य सामान चोरी हो गया है। सूचना के आधार पर थाना वेलकम में भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। एसएचओ थाना वेलकम इंस्पेक्टर रूपेश कुमार खत्री के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की गई, जिसमें इंस्पेक्टर ज्ञानेंद्र, इंस्पेक्टर जितेन्द्र, पीएसआई उकलेश, एएसआई रामबीर, हेड कांस्टेबल हरेंद्र, अरुण, कुलदीप, ललित और कांस्टेबल विनोद शामिल थे। टीम ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया और चोरी की वारदात को अंजाम देने के तरीके को समझा। साथ ही, स्थानीय मुखबिरों और अन्य स्रोतों से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की गईं। पुलिस जांच में सामने आया कि दुकान का पूर्व कर्मचारी मनोज (25) इस वारदात में लिप्त है। इसके बाद शाहदरा के छोटा बाजार से उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि उसका बड़ा भाई कृपाल (29), जो पिछले सात साल से दुकान में काम कर रहा था, वह भी इस घटना में शामिल था। कृपाल के पास दुकान मालिक की दिनचर्या और नकदी रखने की पूरी जानकारी थी। मनोज की निशानदेही पर पुलिस ने कृपाल को भी गिरफ्तार कर लिया और दोनों आरोपियों के पास से चोरी की गई 15 लाख रुपए की राशि बरामद कर ली गई। अब इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2)/61/3(5) भी जोड़ दी गई है।

ग्लोबल इकोनॉमी का गेटवे बनकर देश के विकास में बड़ा योगदान कर रहा है गुजरात : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार और उद्योगपतियों के बेहतर तालमेल के कारण आज गुजरात ग्लोबल इकोनॉमी का गेटवे बनकर देश के विकास में बड़ा योगदान कर रहा है। शाह नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) के ऐनुअल ट्रेड एक्सपो 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अमित शाह ने कहा कि आज उद्योग से लेकर तकनीक, आईटी से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर और एमएसएमई से स्टार्टअप और पायनियर इन्डस्ट्री तक हर प्रकार के उद्योग का एक प्रकार से सुंदर इन्डस्ट्रियल वातावरण का गुलदस्ता गुजरात में देखा जा सकता है। गुजरात में उद्योग लगाने में रुचि रखने वाले लोगों को पता है कि यहां उन्हें बिना किसी राजनीतिक दखल के सुविधा और इन्डस्ट्री के अनुकूल वातावरण और बिना हड़ताल वाला एक तंत्र मिलेगा। शाह ने कहा कि जब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तत्कालीन गुजरात सरकार चैम्बर के साथ सार्थक चर्चा करने के बाद

व्यापारियों, उद्योगपतियों और लघु उद्योगपतियों की बात सुनकर निर्णय लेती थी। भूपेन्द्र पटेल ने उस वातावरण को और मजबूत करने का काम किया है। शाह ने कहा कि मोदी ने उस समय नीति बनाई थी कि यदि इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तो हर नागरिक के जीवन में अपने आप सुविधा आएगी। इसी कारण आज गुजरात ग्लोबल इकोनॉमी का गेटवे बनकर देश के विकास में बड़ा योगदान कर रहा है। शाह ने कहा कि गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने गुजरात के विकास में बेहद अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि चैम्बर ने युवाओं में उद्यम, साहस और दुनिया के किसी भी कोने में जाकर व्यापार करने का उत्साह भरने का काम किया है। गुजरात के युवाओं की औद्योगिक साहसिकता का गुण समाप्त न हो और उसे प्रोत्साहन मिले, इसके लिए चैम्बर को योजना बनानी चाहिए। गुजरात के लघु उद्योगों ने देश के औद्योगिक विकास में बहुत अच्छा योगदान दिया है। गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इन्डस्ट्रीज को लघु उद्योगों की परंपरा को स्टार्टअप के साथ जोड़कर और उसे आधुनिक बनाकर, हमारे युवाओं के लिए एक संपूर्ण तंत्र उपलब्ध कराना चाहिए और सरकार, लघु उद्योग और साहसिक युवा के बीच सेतु बनने का काम चैम्बर को करना चाहिए।

वक्फ कानून की आड़ में देश को दंगों की आग में झोंकने से बाज आए सेक्युलर-जिहादी गठजोड : विहिप

एजेंसी

नई दिल्ली। विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद लगातार चौथे दिन दंगों की आग में झुलस रहा है। आज देशभर में दंगे भड़काने की धमकियां दी जा रही हैं। जिस वक्फ कानून का वे विरोध करना चाहते हैं, उन्हें पता है कि उस कानून के पास होने से किसी की मस्जिद और दरगाह नहीं छिनेगी। वक्फ बोर्ड के नाम पर सक्रिय भू-माफिया ने जो कई सालों से अरबों की संपत्ति को अपने कब्जे में लिया था, वह छिनेगी। उनकी लूट बंद हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह कानून वही है जिसे बनाने से पहले लगभग एक करोड़ भारतीयों ने अपनी राय दी थी और संसद के दोनों सदनों में 25 घंटे से अधिक की ऐतिहासिक चर्चा हुई थी। इसके बावजूद देश का सेक्युलर जिहादी गठजोड़ देश को दंगों की आग में झोंकने का कुत्सित प्रयास कर रहा है जिससे उसे बाज आना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का सेक्युलर माफिया जो खुद को मुस्लिम वोट बैंक पर एकाधिकार मानता था, उसे डर है कि कहीं उसका एकाधिकार खत्म न हो जाए। सुप्रीम कोर्ट में 18 से ज्यादा याचिकाएं लंबित हैं। फैसले का इंतजार करना चाहिए। ये बार-बार कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट से ऊपर क्या है? लेकिन ऐसा लगता है उन्हें न तो संविधान की परवाह है और न ही न्यायपालिका के प्रति कोई सम्मान है। डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि भू-माफिया और सेक्युलर माफिया का अपवित्र गठजोड़ 2013 में गुरुग्राम में दिखाई दिया था, जब पालम विहार के बाहर बने एक बड़े पार्क पर वक्फ बोर्ड ने दावा पेश किया था। वहां नमाज के नाम पर लोग इकट्ठा होने शुरू हो गए थे। उस समय की कांग्रेस सरकार ने बिना किसी सबूत के उनके दावों का समर्थन किया था। उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह, वक्फ ने दिल्ली में 123 सरकारी संपत्तियों पर दावा किया था।

संपादक की कलम से

मोदी के दावों और नीति पर सवाल करते पीयूष गोयल

वाणिज्य और उद्योमंत्री पीयूष गोयल के भाषण के बाद उपजे बवाल को समझने के लिए शहरों में डिलीवरी सर्विसेस पर एक निगाह डालना जरूरी है। कुछ समय से जयपुर के कुछ हिस्सों में रहने वाले खुद को ऐसे नागरिक के रूप में देख रहे हैं जिनके कदमों में हर चीज बस आठ से बीस मिनटों में हाजिर रहने के लिए आतुर है। 'हुकुम करो आका' की तज ंपर ये डिलीवरी बॉयज दौड़ते रहते हैं और हर जरूरत का सामान पहुंचा देते हैं। 43 डिग्री की तपती दोपहरी में सड़कों पर कोई नहीं हैं पर ये हैं। भारत के कई शहर यूं ही दौड़ रहे हैं। इस चाल में महामारी कोविड ने जान फूंकी थी लेकिन अब जो हो रहा है इसमें कीमतें बहुत कम हैं और कई बड़े प्लेयर मैदान में उतर आए हैं। केवल आठ मिनट में जरूरी सामान पहुंचाने की होड़ तो दो सालों से है लेकिन अब तो पूरा का पूरा राशन, उसे पकाने के लिए स्टोव, कुकर और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जल्दी पहुंचाने की जिद में है। जिनके पास धन है, वे फोन में बंद जिन्न को आदेश देते हैं और वह चुटकी बजाते सब हाजिर कर देता है। सैकड़ों स्टार्टअप्स इन अमीरों की जरूरतों को पूरा करने में लगे हुए हैं। ऐसा लगता है जैसे चंद शहरी अमीरों की चाकरी में बड़ी तादाद में गरीब लग गए हैं क्योंकि भारत की आबादी में चंद अमीर भी ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड की कुल आबादी के बराबर हैं। ऐसा पहले भी था, पर अब तो पढ़ा-लिखा युवा बेरोजगार पूरी तरह इस कार्यबल के दलदल में खींचा जा चुका है। उसके पास कोई और काम नहीं, पूंजी नहीं। पहले-पहल तो थोड़े बढ़े दाम में किराना, फल-सब्जियां आदि घरों तक पहुंच रही थीं जिससे छोटे पंसारी, सब्जियों के ठेले वालों पर कुछ खास असर नहीं डाला था, लेकिन अब तो ऐसे बड़े खिलाड़ी धंधे में कूद पड़े हैं जो अधिकांश सब्जियां 36 रुपए किलो में दे रहे हैं और उस पर 399 रुपए के सामान पर एक किलो चीनी भी मुफ्त। जो पहले से मौजूद थे वे अब पचास से सौ रुपए कैश का लालच ग्राहकों को दे रहे हैं फिर चाहे कुल खरीद केवल दो सौ रुपए हो। इस गलाकाट प्रतिस्पर्धा के केंद्र में वह डिलीवरी बॉय है जो कभी युवा बेरोजगार था और अब सस्ता मजदूर है। वही सड़कों पर दिन-रात दौड़ कर मुनाफे और जरूरत के बीच की जरूरी कड़ी बना हुआ है और वही सबसे कमजोर भी है।

एक डिलीवरी बॉय के साथ संवाद शायद उसकी तकलीफ को बयान कर सके-

- आपको आपका काम कैसा लगता है ?

00 मजबूरी है, इसलिए कर रहे हैं।

- पढ़ाई कहां तक की है?

00 इसी साल ग्रेजुएशन किया है।

- कितनी पगार है?

00 पगार कहां? नौ घंटे के छह सौ रुपए मिलते हैं। उसमें भी 200 रुपए का तो तेल जल जाता है, बाइक भी खुद की है। उसकी सर्विसिंग भी हमें ही करवानी पड़ती है। फोन खुद का हो तो ही काम मिलता है। बहुत कम समय में ज्यादा डिलीवरी देने का दबाव होता है।'

लड़के का स्वर निराशा में डूबने लगता है। तब क्या भारत के स्टार्टअप प्रोजेक्ट्स की दुनिया इसी में सिमट गई है कि अमीर को चिप्स और ठंडी-ठंडी आइसक्रीम खिलाने के लिए गरीब युवा भरी गर्मी में सड़कों पर दौड़ता रहे। शायद इसी तस्वीर को समझते हुए और भारत के तमाम स्टार्टअप्स को इसी तरफ मुड़ते देख भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कह दिया है कि 'भारत में सिर्फ फूड डिलीवरी, इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी या बेटिंग-गेमिंग के स्टार्टअप्स बन रहे हैं, जबकि चीन में एआई और ईवी के स्टार्टअप्स बन रहे हैं।' मंत्री ने उद्योगपतियों का नाम लेकर उन्हें आड़े हाथों लेते हुए कहा-'वे ऐसे अरबपतियों को जानते हैं, जिनके बच्चों ने बहुत फैंसी आइसक्रीम और कुकीज के ब्रांड बनाए और वे सफल कारोबार चला रहे हैं। उन्हें इससे दिक्कत नहीं है लेकिन क्या यही भारत का भविष्य है और क्या देश इससे संतुष्ट है?' तब क्या उद्योगपतियों के बहाने उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावों और नीतियों पर भी सवाल खड़ा कर दिया है?आखिर बीते दस सालों से स्टार्टअप्स की लगातार चर्चा करते हुए विकसित भारत का जिक्र कौन कर रहा था? प्रधानमंत्री ने कहा था- 'हमें नौकरी मांगने वालों को नौकरी देने वाला बनाना है। यही हमारे युवाओं की बड़ी ताकत है और हमारे स्टार्टअप्स की बड़ी शक्ति है।' क्या ऐसा हुआ? प्रधानमंत्री मोदी बार बार कहते रहे हैं कि भारत स्टार्टअप्स का कैपिटल है और दावा करते हैं कि भारत के कितने स्टार्टअप्स यूनिकॉर्न यानी सौ करोड़ डॉलर से ज्यादा का कारोबार करने वाले बन गए। लेकिन उनके इस दावे की रौशनी को मंद कर पीयूष गोयल ने भारत के स्टार्टअप्स की हकीकत बता कर क्या कोई बड़ा जोखिम ले लिया है?

लगता तो यही है। उद्योगपति तीखे तेवर दिखा रहे हैं। उनका तर्क है कि यह आसान नहीं है और हम लाखों बेरोजगारों को काम दे रहे हैं। दरअसल यह केवल मंत्री का भाषण नहीं बल्कि बड़े सच से पर्दा उठाता अध्ययन है। ऐसे ही स्टार्टअप्स की उपलब्धियों को बड़ा बना कर भारत को विकसित बताए जाने के प्रयास किए जाते रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि हम अपने पड़ोसी चीन से कहीं ज्यादा पिछड़ गए हैं। आज अमेरिका की नीतियों की वजह से दुनिया में जो निर्वात बना है उसे भारत भर सकता था, परन्तु भारत के उद्योगपति और संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर के नतीजे नहीं दे पाते हैं और इसी ओर मंत्री पीयूष गोयल ने बीते सप्ताह स्टार्टअप महाकुंभ में इशारा किया और कहा- 'भारत में स्टार्टअप्स फूड डिलीवरी, फैंसी आइसक्रीम व कुकीज, इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी, बेटिंग व गेमिंग ऐप्स और रील्स व इन्फ्लूएंसर्स इकानॉमी बनाने में बिजी हैं।'

राणा के बहाने पाकिस्तान का पूरा आतंकी सच उजागर हो

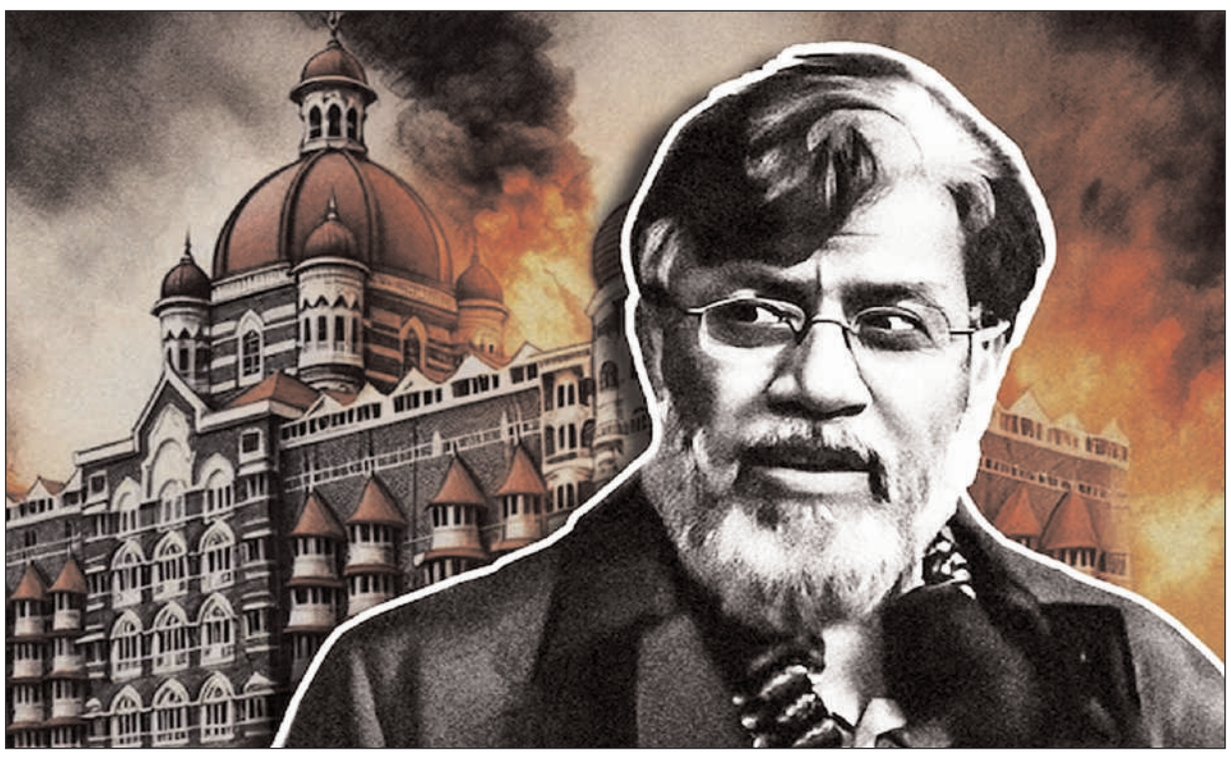

- ललित गर्ग -

मुंबई में भीषण, खौफनाक एवं दर्दनाक आतंकी हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल रहने वाले पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाया जाना किसी उपलब्धि से कम नहीं है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीतिक जीत एवं भारत की कानून की बड़ी सफलता है। लगभग 170 लोगों की दर्दनाक मौत, क्रूरता एवं अमानवीयता का डरावना मंजर एवं देशवासियों की आंखों को गमगीन करने वाले इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिये एक उजली किरण बनकर प्रस्तुत हुई है। 26-11-2008 एक ऐसी डरावनी तारीख है जिसे याद करके देशवासी सिहर जाते हैं। दहशत की तस्वीरें आंखों के सामने आ जाती हैं। यह तारीख मुम्बई के पुराने घाव को न केवल कुरेदती है बल्कि टीस भी पैदा करती है कि 150 करोड़ का यह देश अब तक क्यों नहीं राणा का प्रत्यर्पण कराकर उसे दर्दनाक सजा दे पाया। अब राणा के भारत के शिकंजे में आ जाने से 26-11 के घावों पर कुछ मरहम लगेगा क्योंकि मुम्बई एवं देश आज भी जख्मों का हिसाब मांगती है।

देर आये दुरस्त आये की कहावत को चरितार्थ करते हुए अब देश का खतरनाक दुश्मन हाथ आ गया है तो उसे ऐसी सजा दी जाये कि न केवल पाकिस्तान, पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एवं दुनिया में आतंक फैलाने वाले सहम जाये कि भविष्य में ऐसी घटना करने का दुस्साहस न कर सके। यह तो तय है कि राणा से पूछताछ में कई राज खुलेंगे, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि क्या उसे फांसी की सजा देना संभव होगा? भारत सरकार को ऐसे कूटनीतिक एवं साहसिक प्रयत्न करने होंगे, जिससे उसे फांसी की सजा देना संभव हो सके और वह भी कम से कम समय में। मुंबई हमले के दौरान पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब को सजा देने में चार साल लग गए थे। इतनी देरी राणा के मामले में नहीं होनी चाहिए। यह ऐसा मामला है, जिस पर देश के साथ दुनिया की भी निगाह होगी। राणा की सजा से ही भारत के न्यायतंत्र की त्वरता एवं तत्परता सामने आयेगी। क्योंकि खूंखार आतंकियों को सजा देने में देरी से आतंक से लड़ने की प्रतिबद्धता पर प्रश्नचिह्न टंकते है।

17 साल बाद आज भी महानगर मुम्बई की वह काली रात एवं गोलियों की गूंज से सब दहल उठते है, सहम जाते हैं। उस दिन पाक प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने एक साथ कई जगहों पर हमला किया। लियो पोल्र्ड कैफे और छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से शुरू हुआ मौत का दर्दनाक तांडव ताजमहल होटल में जाकर खत्म हुआ। जिसमें आतंकवाद निरोधक दस्ते यानि एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे, मुम्बई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त अशोक कामटे और पुलिस इंस्पैक्टर विजय सालस्कर शहीद हुए। आतंकवादी कसाब को जिन्दा पकड़ने वाले साहसी सब इंस्पैक्टर तुकाराम को कौन भुला सकता है, जो एक दूसरे आतंकवादी की गोलियों का शिकार होकर भी, जान की बाजी लगाकर कसाब को पकड़ने में सफलता पायी, भले ही इस एकमात्र पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को सजा-ए-मौत दी गई लेकिन इस हमले ने क्रूरता के जो निशान छोड़े वे आज भी मुम्बई में मौजूद हैं, भारत के जन-जन के हृदय पटल पर अंकित है।

कौन नहीं जानता कि तहव्वुर राणा ने दाऊद सईद गिलानी यानि डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिलकर हमले की साजिश रची थी। डेविड हेडली ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मुम्बई में फर्स्ट वर्ल्ड इमीग्रेशन सर्विसिज के नाम से एक कम्पनी का कार्यालय खोला और खुद को बिजनेसमैन के रूप में पेश किया। धीरे-धीरे उसने फिल्म जगत में नामी-गिरामी हस्तियों से जान-पहचान बढ़ाई। भारत यात्रा के दौरान उसने मुम्बई एवं देश के अन्य हिस्सों की रेकी की जहां पर हमला किया जाना था। पाकिस्तानी पिता और अमरीकी माँ की औलाद हेडली अमरीका में एक समय रंगीन जिन्दगी गुजार चुका था जिसके दौरान ड्रग्स की तस्करी के लिए उसे जेल भी हुई थी। भारत ने हेडली के प्रत्यर्पण के लिए भी अनुरोध किया था, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उसे छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि कई मामलों और डेनमार्क में एक हमले की नाकाम साजिश सहित 12 आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार की थी। उसने लश्कर, आईएसआई और अलकायदा के राज अमेरिका को बताए तब से ही हेडली अमेरिका की सम्पत्ति बन गया है। फिलहाल हेडली का अमेरिका में सुरक्षित रहना बड़े सवाल खड़े करता है। इस बीच भारत ने राणा को मोस्ट वॉन्टेड घोषित कर दिया और 28 अगस्त 2018 भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने, युद्ध छेड़ने, हत्या, जालसाजी और आतंकवादी हमले के आरोपों पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अब सवाल यह है कि अमेरिका ने राणा को तो भारत के हवाले कर दिया लेकिन वह डेविड हेडली के मामले में क्यों खामोश है? राणा को भारत लाया जाना, भारत के शिकंजे में आना भारत की बहुत बड़ी कूटनीतिक जीत है। राणा पाकिस्तानी सेना का पूर्व अधिकारी है। चूंकि उसने आतंकी संगठन लश्कर एवं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से मिलकर मुंबई हमले की साजिश रची थी, इसलिए उससे गहन पूछताछ करके पाकिस्तान को नए सिरे से न केवल बेनकाब करना होगा, बल्कि उस पर इसके लिए दबाव भी बनाना होगा कि वह मुंबई हमले के अन्य गुनहगारों को भी दंडित करे। इस हमले के गुनहगार पाकिस्तान में खुले घूम रहे हैं। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि राणा ने कई हथकंडे अपनाए लेकिन अमेरिकी अदालतों में उसकी सारी याचिकाएं ठुकरा दी गईं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की यह आज तक की सबसे बड़ी जीत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसके लिए कूटनीतिक प्रयास करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भारत विश्व के सर्वाधिक पाकिस्तान पोषित आतंकवाद प्रभावित देशों में से एक है। 26-11 के मुंबई हमलों के अलावा 2008 में ही जयपुर विस्फोट, काबुल में भारतीय दूतावास के अलावा अहमदाबाद, दिल्ली और असम के विस्फोट भी शामिल थे। यह संतोषजनक तो है कि अमेरिका ने देर से सही, राणा को भारत को सौंप दिया। यदि ट्रंप फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं बनते तो शायद राणा को भारत लाना और मुश्किल होता। जो भी हो, भारत को केवल इतने से ही संतोष नहीं करना चाहिए कि अंततः एक बड़ा आतंकी उसके हाथ लग गया। भारत को देश के अन्य शत्रुओं एवं आतंकियों को भी दंडित करने-कराने के प्रति प्रतिबद्ध रहना होगा। उन्हें और पाकिस्तान सरीखे उनके आकाओं को यह संदेश नए सिरे से देना होगा कि भारत अपने दुश्मनों को न तो भूलता है और न माफ करता है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत है, लेकिन इसे आतंकवाद के खिलाफ एक छोटा पडाव मानते हुए अभी कई मोर्चे पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू हुआ है। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। राणा के बहाने पाकिस्तान के मनसूंबों को बेनकाब करना ज्यादा जरूरी है, इससे कई राज खुलने और जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश भी जाने एवं दुनिया भी समझे, तभी राणा का भारत आना सफल एवं सार्थक होगा। **प्रेषकः**

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन,

गर्मी में ताजगी का तोहफा, जानिए खरबूजे के अनगिनत फायदे

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में जब तपती धूप और लू से लोग परेशान रहते हैं, ऐसे में शरीर को ठंडक और ताजगी देने वाले फलों की मांग बढ़ जाती है। इन्हीं फलों में एक बेहद लोकप्रिय और सेहतमंद फल है खरबूजा। स्वाद में मीठा, पानी से भरपूर और शरीर को तरोताजा करने वाला यह फल न केवल गर्मी में राहत देता है, बल्कि सेहत के लिए भी कई तरह से फायदेमंद है।

गर्मी में तपती धूप और लू के मौसम में शरीर को ठंडक और ताजगी देने वाले फलों की मांग बढ़ जाती है। इन्हीं फलों में एक बेहद लोकप्रिय और सेहतमंद फल है खरबूजा। स्वाद में मीठा, पानी से भरपूर और शरीर को तरोताजा करने वाला यह फल न केवल गर्मी में राहत देता है, बल्कि सेहत के लिए भी कई तरह से फायदेमंद है।

खरबूजे में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी होता है, जो गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करता है। दिनभर की भागदौड़ और तेज धूप के बाद खरबूजा खाने से शरीर को ठंडक मिलती है।

खरबूजा फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। यह पेट को साफ रखने में मदद करता है और भारी भोजन के बाद भी इसे आसानी से पचाया जा सकता है। साथ ही, जो लोग वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके लिए खरबूजा एक शानदार फल है। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है, लेकिन फाइबर की मौजूदगी के कारण यह पेट को लंबे समय तक भरा भी रखता है, जिससे बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती।

खरबूजे में मौजूद विटामिन ए और सी त्वचा को निखारने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से खरबूजा खाने से त्वचा में नमी बनी रहती है और चेहरे पर प्राकृतिक चमक आती है।

विटामिन ए की अच्छी मात्रा होने के कारण खरबूजा आंखों की रोशनी को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। यह आंखों को सूखने से भी बचाता है और उम्र के साथ आने वाली समस्याओं को कम करता है।

खरबूजे में पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं।

तहव्वुर राणा फेस्टिवल! कुलभूषण जाधव के बारे में क्या?

प्रधानमंत्री मोदी के अस्तित्व के चलते देश में कई चीजें अपने आप हो रही हैं। यानी घटनाएं घटती जाती हैं और फिर उनके भक्तों द्वारा यह घोषणा कर दी जाती है कि ह्ययह मोदी के कारण हुआ है।ह्ल कंगना बेन ने एलान कर ही दिया है कि मोदी कोई आम इंसान नहीं हैं। वे अवतारी पुरुष हैं। इसलिए मोदी कुछ भी कर सकते हैं। ह्य२६-११ह्ल आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा का अमेरिका से भारत में प्रत्यार्पण हो गया है। भारत का एक विशेष विमान उसे लेकर पहुंचा है। भारत में उतरने के बाद उसे दिल्ली हवाई अड्डे पर ह्यएनआईएह्ल ने गिरफ्तार कर लिया। भारत भर में भक्त और भजन मंडलियां राणा के प्रत्यर्पण का जश्न मनाने के तैयारी कर रही हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने कह दिया, ह्यराणा का प्रत्यर्पण मोदी सरकार की कूटनीति की बड़ी सफलता है। मोदी सरकार भारत के स्वाभिमान, भूमि और लोगों पर हमला करनेवालों को दंडित करने के लिए प्रयत्नशील है।ह्ल कुल मिलाकर, इन लोगों को लगता है कि अगर मोदी न होते तो राणा को भारत को नहीं सौंपा जाता। राणा को भारत लाने की लड़ाई मनमोहन सरकार के समय से ही चल रही है। उस वक्त भारत ने राणा के प्रत्यर्पण की मांग की थी। राणा ने भारत की मांग को अमेरिकी अदालत में चुनौती दी थी। ये सभी मामले अमेरिकी अदालत में १८ साल तक चले। इस लंबी अदालती लड़ाई के हर चरण में, भारत ने अपना पक्ष रखा और राणा का आवेदन खारिज कर दिया गया और अंततः अपराधी भारत को सौंपना पड़ा। यह दोनों देशों के बीच एक कानूनी और राजनीतिक प्रक्रिया है। भारत में ऐसा कई बार हो चुका है। १९९३ के मुंबई सीरियल ब्लास्ट में दाऊद इब्राहिम के गुर्गे अबू सलेम का हाथ था। वह भेष बदलकर पुर्तगाल में रह रहा था। भारतीय जांच एजेंसियों ने उसका पता लगाया और सलेम के आतंकवादी कृत्य के सबूत पुर्तगाली सरकार के सामने रखे। वहां की अदालत में बहस हुई और अंततः नवंबर २००५ में पुर्तगाल को

सलेम को भारत के हवाले करना पड़ा। सलेम पर भारत में मुकदमा चलाया गया और दो आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। फिर तो इस महत्वपूर्ण प्रत्यर्पण को मनमोहन सरकार की कूटनीति की सफलता ही कहा जाएगा। बेशक, सलेम को भारत लाया गया था, इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सलेम महोत्सव नहीं मनाया, जो आज राणा के मामले में सोशल मीडिया पर चल रहा है। २६-११ के आतंकी हमलों में पाकिस्तान की भूमिका थी। कसाब और उसका गिरोह समुद्र के रास्ते पाकिस्तान से निकलकर मुंबई पहुंचा। भारत पर होनेवाले हर हमले में पाकिस्तान का हाथ है। इस राणा को मुंबई पर हमला करने से पहले संभावित स्थानों की रेकी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। राणा ने इसके लिए डेविड हेडली का व्यवस्थित तरीके से इस्तेमाल किया। माना जा रहा है कि राणा को लाने से ह्य२६-११ह्ल हमले के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने में मदद मिलेगी। राणा के कहने पर हेडली ने शिवसेना भवन की रेकी भी की थी। यानि पाकिस्तान शिवसेना भवन को बम से उड़ाना चाहता था। हेडली भारत में रेकी करने के बाद सीधे पाकिस्तान को फोन करने के बजाय राणा से संपर्क करता था। राणा हेडली द्वारा दी गई जानकारी को पाकिस्तानी गुर्गों तक पहुंचाता था और यह कार्य पूरा होने के बाद कसाब और उसका गिरोह भारत में मिशन पर निकला। इस जांच में मुंबई पुलिस का योगदान बहुत बड़ा है। अगर उन्होंने ह्य२६/११ह्ल के पीछे की साजिश की गहन खोजबीन नहीं की होती तो हेडली और राणा का नाम कभी सामने नहीं आता। २६ नवंबर, २००८ को दस पाकिस्तानी आतंकवादियों ने मुंबई पर हमला कर दिया था। इसमें १६४ निर्दोष नागरिक मारे गए। नौ आतंकी मारे गए। अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया।

युद्धों के कारण मानवीय संकट अपने चरम पर

- डॉ. अरुण मित्रा

रूस यूक्रेन युद्ध के परिणामस्वरूप मानवीय पीड़ा का अंत निकट भविष्य में एक वास्तविकता नहीं लगता है। युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और रूसी सरकारों के बीच बातचीत जल्द ही परिणाम देगी, यह अनिश्चित है। यूरोपीय संघ ने इन वाताओं पर कड़ी आपत्ति जताई है। यूरोपीय संघ के कई देशों ने यूक्रेन सरकार को सैन्य समर्थन देने की घोषणा की है।

मध्य पूर्व के देशों और रूस और यूक्रेन के बीच युद्धों के परिणामस्वरूप मानवीय संकट अपने चरम पर है। इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम के बावजूद गाजा के असहाय नागरिकों पर बमबारी से कोई राहत नहीं मिली है। यदि हम बड़े अनुमानों पर जाएं तो 100,000 से अधिक लोग पहले ही मारे जा चुके हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। वास्तव में यह इजरायल के जायोनी शासन द्वारा फिलिस्तीनियों का सफाया करने के लिए एक जबरदस्त आक्रमण साबित हुआ है। पैरा-मेडिकल कर्मचारियों की हाल ही में हुई हत्या इस बात को साबित करती है।

अमेरिकी प्रशासन नवीनतम उच्च शक्ति वाले बमों के साथ इजरायल का पूरा समर्थन कर रहा है और सभी परिस्थितियों में इजरायल के पीछे खड़ा है। इसने जनवरी 2025 में इजरायल को 2,000 पाउंड के बम छोड़ने की अनुमति दी, एक ऐसा गोला-बारूद जिसे पहले रोक लिया गया था। इसी तरह, रूस यूक्रेन युद्ध के परिणामस्वरूप मानवीय पीड़ा का अंत निकट भविष्य में एक वास्तविकता नहीं लगता है। युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और रूसी सरकारों के बीच बातचीत जल्द ही परिणाम देगी, यह अनिश्चित है। यूरोपीय संघ ने इन वाताओं पर कड़ी आपत्ति जताई है। यूरोपीय संघ के कई देशों ने यूक्रेन सरकार को सैन्य समर्थन देने की घोषणा की है। कीव द्वारा जारी किए गए आंकड़ों, संयुक्त राष्ट्र के सांख्यिकी और बीबीसी रूस द्वारा प्रकाशित ओपन-सोर्स डेटा के अनुसार, 31 मार्च, 2025 तक यूक्रेनी और रूसी सैनिकों, साथ ही मृत यूक्रेनी नागरिकों की कुल संख्या 158,341 है।

नाटो यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है, जो रूस को परेशान करता है। इस युद्ध के अंत की उम्मीद कम है। अगर ये युद्ध जारी रहे तो परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इजरायल के विरासत मंत्री अमीचाई एलियाहू ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी थी। अमेरिकी सीनेटर लिंडसेग्राहम और टिमवालबर्ग ने भी इसी तरह के बयान दिए हैं। ये बयान फिलिस्तीनियों को खत्म करने के इजरायल के इरादे की पुष्टि करते हैं। ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आक्रामक बयान भी इस दिशा में गंभीर खतरा हैं।

इंटरनेशनल कैंपेनटूएबोलिश न्यूक्लियर वीपन्स (आईसीएएन) के लिए लिखी गई एक टिप्पणी में, लुंड यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान विभाग और सेंटर फॉर एडवांस्ड मिड्ल ईस्टर्न स्टडीज में एसोसिएट सीनियर लेक्चर रहे बाताहा ने चेतावनी दी है कि 'पिछले साल भर में, गाजा में हिंसा का वर्णन परमाणु सादृश्यों का उपयोग करके किया गया है, उदाहरण के लिए, रिपोर्टें बताती हैं कि गाजा पर गिराए गए इजरायली विस्फोटकों की विनाशकारी शक्ति हिरोशिमा और नागासाकी बमों के बराबर या उससे भी अधिक है। ये रूपक गाजा को इन परमाणु लक्ष्यों से जोड़ने की कोशिश करते हैं। ये रिपोर्ट शायद पारंपरिक और गैर-पारंपरिक हथियारों के बीच के अंतर को भी पीछे धकेलती हैं, क्योंकि गाजा पारंपरिक हथियारों से होने वाले भारी नुकसान और अकल्पनीय हिंसा का प्रदर्शन है।' राष्ट्रपति पुतिन ने चल रहे युद्ध के दौरान परमाणु शस्त्रागार के खतरे का तेजी से इस्तेमाल किया है और रूस ने अपने हथियारों को हाई अलर्ट पर रखा है।

चल रहे युद्ध में एक समय परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए गंभीर खतरा दिखाई दिया था। यह खतरा फिलहाल टल गया है, लेकिन समाप्त नहीं हुआ है।

2025 में, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, साथ ही 'खतरनाक परमाणु बयानबाजी और धमकियां' चिंता का विषय बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कानूनी रूप से बाध्यकारी परमाणु हथियार प्रतिबंध संधि का समर्थन करने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान किया है।

पारंपरिक युद्ध ऐसी पूर्व शर्त प्रदान करते हैं जहां अधिक घातक हथियार विकसित किए जाते हैं। इन परिस्थितियों में परमाणु खतरा बढ़ता हुआ देखा गया है। इसलिए यह जरूरी है कि अगर हमें परमाणु हथियारों को खत्म करना है तो पारंपरिक युद्धों को रोकना होगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वैश्विक समुदाय वर्तमान स्थिति में या तो मूकदर्शक है या अप्रभावी है। संयुक्त राष्ट्र भी युद्धों को समाप्त करने के लिए पक्षों को सहमत कराने में विफल रहा है।

डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा शुरू किया गया व्यापार युद्ध कभी भी स्थिति की गंभीरता

को बढ़ा सकता है। ग्लोबल साउथ जो पहले से ही वंचित क्षेत्र है, अब और भी खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है।

यह जरूरी है कि ग्लोबल साउथ इन युद्धों को समाप्त करने के लिए मजबूत पहल करे। गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के नेता के रूप में भारत के पास शांति को बढ़ावा देने के लिए शक्तिशाली आवाज थी।

ट्रम्प ने न्यूयॉर्क के निकट हेलिकॉप्टर दुर्घटना के कारणों का शीघ्र खुलासा करने का लिया संकल्प

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि परिवहन सचिव न्यूयॉर्क के निकट हेलिकॉप्टर दुर्घटना की जांच कर रहे हैं और शीघ्र ही इसके कारणों का खुलासा किया जाएगा। श्री ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, हडसन नदी में भयानक हेलिकॉप्टर दुर्घटना। ऐसा लगता है कि छह लोग, पायलट, दो वयस्क और तीन बच्चे, अब हमारे बीच नहीं हैं। दुर्घटना का फुटेज भयावह है। भगवान पीड़ितों के परिवारों और मित्रों को आशीर्वाद दें। परिवहन सचिव सीन डफी और उनके प्रतिभाशाली कर्मचारी काम पर लगे है। वास्तव में क्या हुआ और कैसे हुआ, इसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी! न्यूयॉर्क शहर के अधिकारियों के अनुसार हडसन नदी में दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलिकॉप्टर में पायलट, दो वयस्क और तीन बच्चों समेत छह लोग सवार थे। इनमे चार की तुरंत मृत्यु हो गई, दो की अस्पताल में मृत्यु हो गई। हेलिकॉप्टर ने दिन के मध्य में मैनहट्टन शहर से उड़ान भरी और 20 मिनट बाद नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान में स्पेन का एक परिवार सवार था।

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढहने से अब तक 221 की मौत, राहत और बचाव कार्य बंद

सेंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सेंटो डोमिंगो (नेशनल डिस्ट्रिक्ट) में मंगलवार सुबह हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 221 हो गई। यह हादसा जेट सेट नाइट क्लब की छत ढह जाने से हुआ था। वाकये के वक्त गायिका रूबी पेरेज का संगीत कार्यक्रम चल रहा था। हादसे में 59 वर्षीय पेरेज के अलावा मेजर लीग बेसबॉल के पूर्व पिचर ऑक्टेवियो डोटेल, पूर्व खिलाड़ी टोनी ब्लैंको और मोंटेक्रिस्टी प्रांत के गवर्नर नेल्सी क्रूज की भी मौत हो गई। जेट सेट नाइट क्लब में हुई इस दुर्घटना में अब तक अधिकारियों ने 146 लोगों की पहचान कर ली है और मलबे से 189 लोगों को बचा लिया है। एनबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, डोमिनिकन गणराज्य उत्तर अमेरिका महाद्वीप में एक कैरिबियाई देश है। राष्ट्रीय अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने गुरुवार सुबह मृतकों के नामों की सूची जारी की और साथ ही एक बयान में कहा कि फॉरेंसिक डॉक्टरों और पैथोलॉजिस्ट की टीमें अभी भी सभी शवों का पोस्टमार्टम करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। मलबे से निकाले गए शेष शवों की पहचान की जा रही है। देश के आपातकालीन संचालन (ईओसी) केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने गुरुवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में मृतकों की संख्या की पुष्टि की।

काठमांडू में हिंसा के आरोपित राजशाही समर्थक नेता दुर्गा प्रसाई को भारत के असम से गिरफ्तार किया गया

काठमांडू। नेपाल में राजशाही के समर्थन में हुए आंदोलन का नेतृत्व करने वाले नेता दुर्गा प्रसाई को भारत के असम से गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस ने असम की राजधानी गुवाहाटी की पुलिस के सहयोग से प्रसाई को गुरुवार शाम गिरफ्तार किया। वहां से नेपाल पुलिस प्रसाई को कड़ी सुरक्षा के बीच रात को ही नेपाल सीमा तक लाई। वहां से उन्हें विमान से काठमांडू लाया गया। पुलिस का कहना है कि 28 मार्च को काठमांडू में राजशाही के समर्थन में हुए प्रदर्शन का नेतृत्व प्रसाई ने किया। इस दौरान हुई हिंसा, तोड़फोड़ आगजनी, लूटपाट और हत्या के प्रयास में प्रसाई का हाथ है। पुलिस ने बताया कि काठमांडू को हिंसा की आग में झोंककर अपनी गिरफ्तारी की आशंका से प्रसाई फरार हो गए। नेपाल पुलिस ने बताया कि उनके भारत में छुपे होने की आशंका के मद्देनजर वहां की पुलिस से समन्वय किया गया। प्रसाई को गुवाहाटी से गुरुवार रात गिरफ्तार कर सिलीगुड़ी होते हुए नेपाल के काकडभिट्ठा सीमा तक लाया गया।

मिस अर्थ बांग्लादेश मेघना आलम को 30 दिन जेल में रहना होगा, कोर्ट ने सुनाई सजा

ढाका। बांग्लादेश की मशहूर मॉडल और मिस अर्थ बांग्लादेश 2020 की विजेता मेघना आलम को 30 दिनों तक जेल में रहना होगा। ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट सेफतुल्लाह ने मेघना आलम को नजरबंदी अधिनियम के तहत गुरुवार देररात लगभग साढ़े दस बजे 30 दिनों की जेल की सजा सुनाई है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, अदालत के सूत्रों ने आज इसकी पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार, मेघना आलम को डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) पुलिस ने रात करीब 10:30 बजे अदालत के समक्ष पेश किया। अदालत ने डीबी की याचिका मंजूर करते हुए मेघना की हिरासत का आदेश जारी कर दिया।

हिंसक टकराव व भूख संकट से, लाखों लोगों के लिए नाज़ुक हालात

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी जारी की है कि दक्षिण सूडान में बढ़ते हिंसक टकराव के बीच, देश के पूर्वोत्तर हिस्से में 77 लाख से अधिक लोग गम्भीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं. बताया गया है कि सूडान में हिंसा के कारण देश में वापसी करने वाले लोगों के लिए हालात ज़्यादा ख़राब हैं. विनाशकारी स्तर पर भूख से जूझ रहे लोगों की कुल संख्या में से क़रीब 50 फ़ीसदी इन्हीं में से हैं.दक्षिण सूडान में पहले से ही समुदाय नाज़ुक हालात मे रह रहे हैं, और 11 लाख से अधिक विस्थापितों के वहाँ पहुँचने से मौजूदा संसाधनों पर भीषण दबाव है और राहत प्रयास प्रभावित हुए हैं. आगामी दिनों में यह संकट और गहराने की आशंका है. इसके मद्देनज़र, यूएन खाद्य एजेंसी ने दानदाताओं से अपना समर्थन बढ़ाने की अपील की है, ताकि मानवीय तबाही को टाला जा सके.वर्षों की अस्थिरतादक्षिण सूडान ने वर्ष 2011 में सूडान से स्वाधीनता हासिल की थी, मगर उसके बाद से ही यह टकराव और अस्थिरता से जूझता रहा है.वर्ष 2013 में राष्ट्रपति सल्वा कीर के वफ़ादार सैन्य बलों और पूर्व उप राष्ट्रपति रिएक मचार के समर्थकों में गृहयुद्ध भड़क उठा था. कई वर्षों तक जातीय हिंसा, सामूहिक अत्याचार और मानवीय संकट जारी रहने के बाद 2018 में नाज़ुक हालात में एक शान्ति समझौते पर सहमति हुई.मगर, परस्पर विरोधी सैन्य बलों के बीच बढ़ती झड़पों और आम नागरिकों पर हमलों के बीच पिछले महीने के अन्त में, मुख्य विपक्षी नेता और प्रथम उप राष्ट्रपति रिएक मचार को नज़रबन्द किए जाने की ख़बरें थी, जिससे देश में फिर से गृहयुद्ध छिड़ने की आशंका है.हिंसक टकराव, बीमारियाँमौजूदा संकट केवल स्थानीय आबादी को भरपेट भोजन न मिल पाने तक ही सीमित नहीं है. देश के अपर नाइल प्रान्त में हैज़ा संक्रमण का प्रकोप है. यूएन एजेंसी ने प्रभावित इलाक़ों के लिए हवाई मार्ग से 35 मीट्रिक टन राहत सामग्री रवाना की है.यूएन की साझेदारी में विश्व भर में खाद्य सुरक्षा पर नज़र रखने वाले प्लैटफ़ॉर्म के अन्तर्गत, किसी देश या क्षेत्र में भूख सम्बन्धी स्थिति को पाँच वर्गों में विभाजित किया गया है.इनमें चौथा चरण, आपात स्थिति और पाँचवा चरण, विनाशकारी या अकाल जैसे हालात हैं.ह्यूमक का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्र में साढ़े चार लाख से अधिक लोगों तक खाद्य सहायता मुहैया कराना है, मुख्यतः आपात व विनाशकारी स्तर पर खाद्य असुरक्षा से जूझ रही आबादी के लिए.मगर, लड़ाई की वजह से सहायता प्रयासों में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है और छह इलाक़ों में लड़ाई व असुरक्षा की वजह से खाद्य वितरण भी बन्द किया गया है.दोराहे पर महिलाएँहिंसक टकराव का दायरा बढ़ने और भूख संकट के गहरा होने का ख़ामियाज़ा स्थानीय महिलाओं व लड़कियों को भुगतना पड़ रहा है. असुरक्षित हालात की वजह से अनेक महिलाएँ अपनी जान बचाकर भागने के लिए मजबूर हुई हैं।

जिनपिंग 14 से 18 अप्रैल तक वियतनाम, मलेशिया, कंबोडिया का राजकीय दौरा करेंगे

एजेंसी

बीजिंग। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव एवं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 14 से 18 अप्रैल तक वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया का राजकीय दौरा करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी। उसने बताया कि श्री जिनपिंग वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव टो लैम और वियतनाम समाजवादी गणराज्य के राष्ट्रपति लुओंग कुओंग के निमंत्रण पर यह दौरा करेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रपति 15 से 18 अप्रैल तक मलेशिया और कंबोडिया का राजकीय दौरा करेंगे। वह मलेशिया के राजा सुल्तान इब्राहिम और कंबोडिया के राजा नोरोदम सिहामोनी के निमंत्रण पर दोनों देशों की यात्रा पर जा रहे हैं।

'ट्रेड वॉर से किसी को फायदा नहीं', यूएस टैरिफ का ब्रिटेन और जापान के प्रधानमंत्रियों ने जताया विरोध

एजेंसी

लंदन । ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा से बात की। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि ट्रेड वॉर से किसी को फायदा नहीं होगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब अमेरिका ने अधिकांश देशों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। इसके साथ ही स्टील, एल्यूमीनियम और कार के पार्ट्स पर 25 प्रतिशत का आयात टैरिफ लगाया हुआ है। अमेरिका के नए और विवादास्पद टैरिफ सेट ने हाल के हफ्तों में तनाव बढ़ा दिया है, जिसने वैश्विक बाजारों को बुरी तरह प्रभावित किया है। अमेरिका की तरफ से लगाए गए टैरिफ पर अन्य देशों की भी तीखी प्रतिक्रिया आई हैं। अर्थशास्त्रियों और निवेशकों की ओर से इस फैसले की आलोचना की गई है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने पहले स्वीकार किया था कि यह संभावना नहीं है कि अमेरिका सभी ब्रिटिश आयातों पर नया 10 प्रतिशत टैरिफ

हटाएगा। प्रधानमंत्री, अमेरिकी राष्ट्रपति को ब्रिटिश कारों पर लगे 25 प्रतिशत टैरिफ को हटाने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटिश अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि बढ़ती अनिश्चितता, कमजोर निर्यात और बढ़ती लागत से देश के प्रमुख क्षेत्रों में विकास और रोजगार पर असर पड़ने की संभावना है। जापान ने घोषणा की है कि वह अगले सप्ताह तक टैरिफ वार्ता के लिए आर्थिक पुनरोद्धार मंत्री रयोसेई अकाजावा को अमेरिका भेजने की योजना बना रहा है। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि जो व्यापारिक साझेदार देश 9 जुलाई तक अमेरिका के साथ समझौता करने में सक्षम नहीं हैं, तो वहां से अमेरिका आने वाले सामानों पर मूल रूप से घोषित पारस्परिक दर पर टैरिफ लगाया जाएगा।

चीन कभी डरा नहीं : 'टैरिफ युद्ध' पर शी जिनपिंग

एजेंसी

बीजिंग । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को कहा कि टैरिफ युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। उन्होंने कहा कि चीन कभी किसी पर निर्भर नहीं रहा और किसी से डरा नहीं। जिनपिंग ने स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। चीन ने 12 अप्रैल से अमेरिकी वस्तुओं पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने का फैसला किया, जिससे कुल प्रभावी दर 125 प्रतिशत हो जाएगी। इससे एक दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी वस्तुओं पर 145 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। समाचार एजेंसी के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले 70 वर्षों से अधिक समय में देश ने आत्मनिर्भरता और कठिन संघर्ष के जरिए विकास हासिल किया। उन्होंने कहा कि चीन कभी दूसरों की दया पर निर्भर नहीं रहा और किसी भी अनुचित दमन से नहीं डरा। राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि चाहे बाहरी दुनिया में कोई भी बदलाव क्यों न हो, चीन उम्मीदों से भरा रहेगा और अपने मामलों को अच्छी तरह चलाने पर ध्यान केंद्रित रखेगा। चीनी राष्ट्रपति

ने कहा कि चीन और यूरोपीय संघ (ईयू) दोनों ही विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों आर्थिक वैश्वीकरण और मुक्त व्यापार की दृढ़ समर्थक हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने आर्थिक सहजीवन का घनिष्ठ संबंध स्थापित किया है, उनका सम्मिलित आर्थिक उत्पादन विश्व के कुल उत्पादन का एक तिहाई से अधिक है। राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि आर्थिक वैश्वीकरण, अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक वातावरण की रक्षा और एक तरफा धमकी के खिलाफ चीन और यूरोपीय संघ को मिलकर काम करना होगा। वहीं सांचेज ने कहा कि चीन यूरोपीय संघ का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। स्पेन हमेशा यूरोपीय संघ-बीजिंग संबंधों के विकास का समर्थक रहा है। सांचेज ने कहा कि यूरोपीय संघ खुले और मुक्त व्यापार के लिए प्रतिबद्ध है और एकतरफा टैरिफ वृद्धि का विरोध करता है। उन्होंने कहा कि व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। स्पेनिश पीएम ने कहा, स्पेन और यूरोपीय संघ अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को बनाए रखने, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के आम हितों की रक्षा करने के लिए चीन के साथ संचार और समन्वय को मजबूत करने के लिए तैयार हैं।

सशस्त्र टकरावों की बढ़ती जटिलताएँ, यूएन शान्तिरक्षा अभियानों के लिए नई चुनौतियाँ

एजेंसी

वाशिंगटन। मौजूदा दौर में, सशस्त्र संघर्ष के बाद युद्धविराम अक्सर नाज़ुक हालात में लागू किए जा रहे हैं और हिंसक टकरावों का पहले से अनुमान लगा पाना कठिन साबित हो रहा है. इस पृष्ठभूमि में, संयुक्त राष्ट्र शान्तिरक्षा को बढ़ते राजनैतिक तनावों, जानबूझकर फैलाई जाने वाली ग़लत सूचनाओं समेत अन्य चुनौतियों के बीच अपने तौर-तरीक़ों में आवश्यकता के अनुसार तेज़ी से बदलाव लाना पड़ रहा है. संयुक्त राष्ट्र शान्ति अभियानों के प्रमुख ज्याँ पिएर लाक्रोआ ने सोमवार को सुरक्षा परिषद में सदस्य देशों के राजनयिकों को सम्बोधित करते हुए मौजूदा तौर-तरीक़ों में बदलाव लाने पर बल दिया. उन्होंने कहा, ÷युद्धविराम की निगरानी अब केवल उपस्थिति तक सीमित नहीं हो सकती है, यह ज़मीनी हालात को तेज़ी से समझने और उसके अनुरूप क़दम उठाने के बारे में है.÷ यूएन अवर महासचिव ने बताया कि टैक्नॉलॉजी में प्रगति से, शान्तिरक्षकों को वास्तविक समय में जटिल परिस्थितियों में निगरानी रखने में मदद मिल रही है, जिसकी वजह से उनकी उन स्थानों पर शारीरिक मौजूदगी ज़रूरी नहीं है.इसके समानान्तर, सदस्य देशों, विशेष रूप से सरक्षा परिषद द्वारा समर्थित एक राजनैतिक प्रक्रिया, शान्ति व सुरक्षा बनाए रखने के लिए अहम है.शान्ति अभियान मामलों के प्रमुख लाक्रोआ ने कहा कि शान्तिरक्षा, युद्धविराम निगरानी व्यवस्था का एक अभिन्न अंग हो सकती है, मगर किसी भी युद्धविराम की सफलता का दायित्व केवल युद्धरत पक्षों पर ही निर्भर है.दायित्व निभाने की चुनौतियाँलेबनान में संयुक्त राष्ट्र अन्तरिम बल के प्रमुख लेफ़्टिनेंट जनरल अरोल्डो लज़ारो साएन्ज़ ने अपने सम्बोधन में राजनैतिक प्रक्रिया के महत्व पर बल दिया. यूएन मिशन, को वर्ष 1978 में स्थापित किया गया था, जिसके शासनादेश को 2006 में प्रस्ताव 1701 के तहत फिर से परिभाषित किया गया. इस प्रस्ताव में लेबनान में हिज़बुल्लाह गुट और इसराइल के बीच 34 दिनों तक चले युद्ध के बाद इस टकराव पर विराम लगाने का आग्रह किया गया था. इसके अन्तर्गत, का दायित्व युद्धविराम की निगरानी करना, दक्षिणी लेबनान में लेबनानी सशस्त्र बलों की तैनाती का समर्थन करना और मानवीय सहायता के लिए मार्ग मुहैया कराना है. 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इसराइल में हमास और अन्य फ़लस्तीनी सशस्त्र गुटों के हमलों के बाद, इसराइली सुरक्षा बलों और हिज़्बुल्लाह के बीच युद्ध भड़कने से, लिए शान्तिरक्षा प्रयासों में चुनौतियाँ उत्पन्न हुईं. नवम्बर 2024 में दोनों पक्षों के बीच टकराव समाप्त करने पर सहमति होने तक, इस दायित्व को निभा पाना मुश्किल साबित हो रहा था.लेफ़्टिनेंट जनरल लज़ारो ने कहा कि टकराव पर विराम के बाद और स्थाई युद्धविराम की अनुपस्थिति में, एक बड़ी बाधा यह है कि सभी पक्ष, प्रस्ताव 1701 के तहत अपने तयशुदा दायित्वों की अलग-अलग व्याख्या करते हैं।

गाज़ा: सहायता आपूर्ति पर पाबन्दी के बीच, रोटी बनाने वाली 25 बेकरी हुईं बन्द

एजेंसी

गाज़ा। ग़ाज़ा पट्टी में सीमा चौकियों की नाकेबन्दी के कारण मानवीय सहायता की आपूर्ति पर लगाई गई पाबन्दी अपने दूसरे महीने में प्रवेश कर गई है. दैनिक आवश्यकताओं के लिए सामान की बढ़ती क़िल्लत से भूख व कुपोषण का ख़तरा फिर से गहरा रहा है. खाद्य सहायता और खाना पकाने की गैस की अनुपलब्धता के कारण रियायतों दरों पर चलने वाली 25 बेकरी बन्द हो गई हैं, और दुकानों में बची हुई खाद्य वस्तुओं की क़ीमतें आसमान छू रही हैं।

म्याँमार: 'मुझे हर समय फिर से भूकम्प आने का डर सताता है'

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । म्याँमार में दस दिन पहले आए विनाशकारी भूकम्प से सबसे अधिक बच्चे प्रभावित हुए हैं. इनमें से कई बच्चों ने अपने घर, अपने स्कूल और कई मामलों में तो अपने पूरे परिवार को ही खो दिया है. इस आपदा से हुई तबाही के बाद, लोग अब भी सदमे में हैं और उन्हें फिर से भूकम्प के झटके आने की चिन्ता निरन्तर बनी हुई है. 28 मार्च को स्थानीय समयानुसार 1 बजे से ठीक पहले आया 7.7 तीव्रता का यह भूकम्प, हाल के वर्षों का सबसे शक्तिशाली भूकम्प था.क्षेत्र में भूकम्प पश्चात झटके अभी भी जारी हैं. संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने आगाह किया है कि दोबारा भूकम्प आने के डर से बच्चे, अत्यधिक गर्मी, व साफ़-सफ़ाई की कमी के बीच खुले में सोने को मजबूर हैं. उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सम्बन्धी आपातस्थिति पैदा हो सकती है. नवीनतम आँकड़ों के मुताबिक़, भूकम्प में 3500 से अधिक लोगों की जान चली गई है, लगभग 5000 घायल हुए हैं और 200 अभी भी लापता हैं.म्याँमार में जवाबी कार्रवाई का जायज़ा लेने गए, संयुक्त राष्ट्र के राहत सहायता प्रमुख ने ज़रूरतमन्द समुदायों की हर सम्भव मदद करने की संगठन की प्रतिबद्धता को दोहराया.संयुक्त राष्ट्र आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लैचर ने शनिवार को राजधानी नेपीडॉ में आपदा से तबाह हुए क्षेत्रों का दौरा करते हुए कहा, संयुक्त राष्ट्र यहाँ मौजूद है - हम यहीं रहकर उन्हें सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे. लेकिन हम चाहते हैं कि इसमें दुनिया भी हमारा साथ दे. सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इस समुदाय को अपने जीवन का पुनर्निर्माण करने के लिए हर सम्भव मदद मिले. उन्होंने अन्तरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा सहायता में वृद्धि करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसका सबसे अधिक प्रभाव सबसे कमज़ोर समुदायों पर पड़ा है. उन्होंने कहा, ÷एक बात जिसने मुझे सबसे ज़्यादा अचम्भित किया, वो ये है कि आम तौर पर आपको यह लगता है कि भूकम्प से सभी लोगों पर एक समान प्रभाव पड़ता है. लेकिन वास्तव में निर्धनतम समुदाय पर इसका सबसे ज़्यादा असर होता है, क्योंकि उनके पास जवाबी कार्रवाई करने, घर बदलने, अन्य स्थानों पर जाने या फिर पुनर्निर्माण के लिए संसाधान नहीं होते.÷शिक्षा से वंचितभूकम्प से, म्याँमार की पहले से ही कमज़ोर शिक्षा व्यवस्था को गहरा झटका लगा है.सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कम से कम 1,824 स्कूल क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं, जिससे हज़ारों बच्चे शिक्षा से महरूम हो गए हैं.मलबे में तब्दील हुए स्कूलों को देखकर यह चिन्ता बढ़ गई है कि अनगिनत बच्चे, ख़ासतौर पर ग़रीब समुदाय के बच्चे, अपनी पढ़ाई में पिछड़ जाएँगे - या शायद फिर कभी स्कूल वापस नहीं लौट पाएँगे.कोई त्वरित या आसान समाधान नहींसंयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने चेतावनी दी है कि इससे उबरने का कोई त्वरित या आसान तरीक़ा नहीं है. म्याँमार में यूनीसेफ़ की संचार प्रमुख, एलियाना डाकोपोलोस ने यूएन न्यूज़ को बताया, कई बच्चों ने अपने माता-पिता, अपने दोस्तों को खो दिया है और उन्हें एक ऐसे स्थान की ज़रूरत है जहाँ उन्हें मनोवैज्ञानिक सहायता मिल सके तथा हालात सामान्य होने का अहसास मिल सके.' 'यह कल्पना करना बेहद कठिन है...फिलहाल हमें इस आपातस्थिति से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई पर ध्यान देना है।

यूक्रेन: विस्थापितों, हिंसा पीड़ितों के लिए और अधिक समर्थन की अपील

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । आपात राहत मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी टॉम फ्लैचर ने आगाह किया है कि यूक्रेन में 1.3 करोड़ लोग को जल्द से जल्द मानवीय सहायता की आवश्यकता है. रूसी सैन्य बलों के हमलों की वजह से विस्थापन, मानसिक सदमे और अति-आवश्यक सेवाओं के विध्वंस से उनके जीवन पर गहरा असर हो रहा है. यूएन अवर महासचिव ने मंगलवार को सुरक्षा परिषद की एक बैठक के दौरान अन्तरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि ज़रूरतमन्दों के लिए समर्थन और हिंसा की चपेट में आए आम नागरिकों की रक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे. पिछले कुछ हफ़्तों में, रूसी सैन्य बलों द्वारा किए गए हमलों में यूक्रेन के कई शहरों में बच्चों समेत आम नागरिक मारे गए हैं. स्वास्थ्य केन्द्रों, मकानों, स्कूलों, खेलकूद मैदानों समेत बुनियादी प्रतिष्ठानों को भीषण क्षति पहुँची है.अवर महासचिव फ्लैचर ने शुक्रवार को डिनप्रो क्षेत्र के घनी आबादी वाले क्रिविय रिह शहर में हुए हमले में कम से कम 9 बच्चों के मारे जाने की निन्दा की. नागरिक मौतों व रिहायशी इलाक़ों में विध्वंस के इन क्रूर तरीक़ों को रोका जाना होगा.÷उन्होंने अन्तरराष्ट्रीय मानवतावादी क़ानून के तहत युद्धरत पक्षों से आम नागरिकों व बुनियादी प्रतिष्ठानों की रक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है.आम नागरिकों पर ÷ताबड़तोड़ हमले किए जाने पर सख़्त पाबन्दी है. युद्ध किस तरह से लड़ा जाएगा, उसकी सीमाएँ तय की जानी होंगी.÷विस्थापन व हताशायूक्रेन में युद्ध जारी युद्ध आम नागरिकों के सामूहिक तौर पर विस्थापित होने की एक बड़ी वजह है.

करीब 37 लाख यूक्रेनी नागरिक अपने घर से बेघर हैं और देश की सीमाओं के भीतर विस्थापन का शिकार हुए हैं. वहीं, 70 लाख लोग अन्य देशों में शरणार्थी के तौर पर रह रहे हैं.रूस के कुर्स्क, बेलगोरॉड और ब्रिएन्स्क नामक क्षेत्रों में आम नागरिकों के हताहत होने और आधारभूत ढाँचे को क्षति पहुँचने की ख़बर है.आपात राहत प्रमुख फ्लैचर ने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय मानवतावादी क़ानून के तहत युद्धरत पक्षों का यह दायित्व है कि ज़रूरतमन्द आबादी तक बेरोकटोक, मानवीय राहत पहुँचाई जाने की अनुमति दी जाएगी, वे भले ही कहीं भी हों.मगर, यूएन मानवीय सहायता एजेंसियों ने बताया है कि वे दोनेत्स्क, ख़ेरसॉन, लुहान्स्क और ज़ैपोरिझिया में रूसी नियंत्रण वाले इलाक़ों में क़रीब 15 लाख आम नागरिकों तक पहुँचने में असमर्थ हैं।

पाकिस्तान ने मानवाधिकार संगठनों के आह्वान को ठुकराया, कहा-अफगान नागरिक कार्ड धारकों मुल्क से जाना ही होगा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से अफगान नागरिकों के निर्वासन को रोकने के मानवाधिकार संगठनों के आह्वान को संघीय सरकार ने ठुकरा दिया। गृह राज्यमंत्री तलाल चौधरी ने कड़े शब्दों में कहा कि अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों के प्रत्यावर्तन की समय सीमा में किसी भी तरह का विस्तार नहीं किया जाएगा। यह समय सीमा 31 मार्च को समाप्त हो चुकी है। एसीसी कार्ड धारक अफगानिस्तान के नागरिकों को मुल्क से जाना ही होगा। डान अखबार की खबर के अनुसार, तलाल चौधरी ने संवाददाता सम्मेलन में गुरुवार को कहा कि दूसरे देशों का वीजा का इंतजार कर रहे लोगों के लिए पूरी तरह छूट संभव नहीं है, लेकिन व्यक्तिगत मसलों पर विचार किया जा सकता है। बावजूद इसके पश्चिमी देशों में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हजारों अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान से निर्वासित कर दिया जाएगा, यदि उनके मेजबान देश उन्हें 30 अप्रैल तक स्थानांतरित नहीं करते हैं।उन्होंने बताया कि अब तक 857,157 गैर-दस्तावेज विदेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजा जा चुका है। उन्होंने याद दिलाया कि अवैध विदेशी नागरिकों को वापस भेजने की नीति अक्टूबर 2023 से लागू है और इसके चरणों को सूचीबद्ध किया गया है।

गाज़ा : ज़रूरतमन्द आबादी के लिए जीवनरक्षक सहायता सुनिश्चित करने का आग्रह

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने ग़ाज़ा पट्टी में पिछले एक महीने से मानवीय सहायता आपूर्ति न होने पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुए, इसराइल से राहत क़ाफ़िलों को अनुमति देने की अपील की है. उन्होंने मंगलवार को न्यूयॉर्क मुख्यालय में पत्रकारों के साथ बातचीत में इसराइल व हमास के बीच युद्धविराम लागू किए जाने और सभी बन्धकों की बिना शर्त रिहाई का भी आग्रह किया है. इसराइली प्रशासन ने 2 मार्च को ग़ाज़ा में सहायता आपूर्ति पर पाबन्दी थोप दी थी, जिसके बाद से वहाँ भोजन, ईंधन, दवाओं व बाज़ारों के लिए सामान पहुँचाना सम्भव नहीं हो पाया है.7 अक्टूबर 2023 को हमास व अन्य हथियारबन्द गुटों द्वारा इसराइल पर हमला किए जाने के बाद ग़ाज़ा युद्ध क़रीब 15 महीने तक जारी रहा, जिसके बाद इस वर्ष जनवरी महीने में युद्धविराम पर सहमति हुई थी.मगर क़रीब दो महीने बाद, इसराइली बमबारी और ज़मीनी सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू हो गई है, जबकि हमास द्वारा इसराइली शहरों पर रॉकेट दागे जा रहे हैं.मौत का अन्तहीन चक्रयूएन के शीर्षतम अधिकारी ने क्षोभ जताया कि ग़ाज़ा में सहायता ठप हो चुकी है, और भयावह हालात की ओर ले जाने वाले दरवाज़े फिर खुल गए हैं. ग़ाज़ा एक ऐसा स्थान बन गया है, जहाँ लगातार लोगों की जान जा रही है और आम नागरिक मौत के एक अन्तहीन चक्र में हैं.उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इसराइल पर किए गए हमले के बाद से कुछ बातें स्पष्ट हैं, मुख्य रूप से यह कि युद्धविराम कारगर हैं.लड़ाई पर विराम होने के बाद बन्धकों की रिहाई हुई, ज़रूरतमन्द आबादी तक जीवनरक्षक सहायता पहुँचाई गई और यह साबित हुआ कि मानवीय सहायता समुदाय अपना दायित्व निभा सकता है. उम्मीदें हुई चकनाचूरमहासचिव गुटेरेश ने कहा कि कई सप्ताहों तक बन्दूकें शान्त रहीं, बाधाओं को दूर किया गया, लूटपाट ख़त्म हो गई और हम ग़ाज़ा पट्टी के हर हिस्से में सहायता पहुँचाने में कामयाब रहे. मगर, समझौता दरकने के साथ ही यह सब ख़त्म हो गया.उन्होंने कहा कि ग़ाज़ा में फ़लस्तीनी परिवारों और इसराइल में बन्धकों के परिवारों की उम्मीद फिर से क्षीण हो रही है, जिनसे उन्होंने सोमवार को मुलाक़ात की थी. इस वजह से, महासचिव ने फिर से सभी बन्धकों की बिना शर्त रिहाई, एक स्थाई युद्धविराम और मानवीय सहायता अभियान के लिए पूर्ण रूप से रास्ता मुहैया कराने का आग्रह किया है.उन्होंने यूएन मानवतावादी संगठनों के शीर्ष अधिकारियों द्वारा सोमवार को जारी एक संयुक्त वक्तव्य का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने उन दावों को ख़ारिज किया है, जिनके अनुसार, ग़ाज़ा में सभी का पेट भरने के लिए पर्याप्त भोजन मौजूद है.न्याय व जवाबदेहीयूएन प्रमुख ने ध्यान दिलाया कि ग़ाज़ा में एक क़ाबिज़ शक्ति के तौर पर इसराइल को अन्तरराष्ट्रीय क़ानून के तहत अपने तयशुदा दायित्वों को पूरा करना होगा.उन्होंने जिनीवा कन्वेंशन का ज़िक्र किया, जिसमें आबादी के लिए भोजन व मेडिकल सामान सुनिश्चित करने के दायित्व को निर्धारित किया गया है. साथ ही, अस्पतालों, सार्वजनिक स्वास्थ्य, साफ़-सफ़ाई समेत अन्य सेवाओं की व्यवस्था भी करनी होगी।

रिदान अंडर-14 यूपीसीए टीम में चयनित

एजेंसी

प्रयागराज। मोहम्मद रिदान खान का चयन 13 से 16 अप्रैल तक कानपुर के कमला क्लब में लगने वाले अंडर-14 यूपीसीए टीम के कैम्प के लिए किया गया है। रिदान को 12 अप्रैल को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त संयोजक (लीग एवं मंडल) एलबी काला के अनुसार करैली निवासी पूर्व विजी ट्रॉफी क्रिकेटर मोहम्मद राशिद के पुत्र मोहम्मद रिदान बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज हैं। रिदान ने एमआईसी मैदान पर जुल नूरैन और विपिन कुमार से प्रशिक्षण लिया है। रिदान के चयन पर इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक क्रमशः ताहिर हसन, आरपी भटनागर, डॉ. सुरेश द्विवेदी, एसडी कौटिल्य, यासर हसन, डॉ. जूली ओझा एवं राघव द्विवेदी, सत्यव्रत सहाय, अनुराग श्रीवास्तव, उत्पल दास, सलीम अहमद, एलबी काला, सोमेश्वर पांडेय आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

कोमल प्रदेशीय विद्यालयीय फुटबाल टीम में चयनित

प्रयागराज। इम्फाल (मणिपुर) में 15 से 21 अप्रैल तक होने वाली 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय अंडर-19 बालिका फुटबाल प्रतियोगिता के लिए ईश्वर शरण बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा कोमल गौड़ का चयन उत्तर प्रदेश की टीम में किया गया है। यह जानकारी कोमल के कोच अनिल सोनकर ने दी है। रसूलाबाद तेलियरगंज निवासी दीपक गौड़ और बिन्नु देवी की पुत्री कोमल सदर बाजार कैंट मैदान पर अनिल सोनकर से प्रशिक्षण प्राप्त करती है।

थाईलैंड विश्व कप किक बॉक्सिंग में फरीदाबाद की रिद्धिमा ने जीता स्वर्ण पदक

चंडीगढ़। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में चल रही थाईलैंड वर्ल्ड कप किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में 31 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल फरीदाबाद की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रिद्धिमा कौशिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान थाईलैंड की खिलाडी को हराकर फाइनल राउंड में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता है। 'वाको इण्डिया किकबॉक्सिंग महासंघ' के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल ने गुरुवार को बताया की इस वर्ल्ड कप किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में लगभग 42 देशों के 1000 से ज्यादा खिलाडी भाग ले रहे हैं और भारतीय टीम ने दूसरे दिन शानदार सफलता हासिल की है जिसमें से रिद्धिमा कौशिक ने किक लाइट इवेंट के दो वजन भार वर्ग में 2 स्वर्ण पदक जीते, अनुष्का तमांग ने रजत पदक, मिथिलेश नीलम बड़ोलिया ने रजत पदक, पूजा पटेल ने 2 रजत पदक, अभिषेक सैनी ने रजत पदक, श्रद्धा रंगर ने कांस्य पदक, रियांशी रॉय ने कांस्य पदक, आदित्य मकोरवाल एवं अभिषेक सैनी ने अपने अपने वजन वर्ग में कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवन्वित किया है।

सीएसके को बड़ा झटका, ऋतुराज चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर, धोनी करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। टीम अब तक खेले पांच मैचों में से केवल एक मैच में जीत दर्ज कर सकी है, जबकि चार मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इस बीच कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोट के कारण इस सत्र से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह एक बार फिर दिग्गज विकेटकीपर और बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। वह अब गायकवाड़ की जगह आगामी मैचों में टीम का नेतृत्व करते नजर आएंगे। चेन्नई सुपर किंग्स ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि ऋतुराज गायकवाड़ कोहनी में हेयरलाइन फ्रैक्चर के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए। एमएस धोनी टीम का नेतृत्व करेंगे। इससे पहले 2022 के आईपीएल सीजन में रवींद्र जडेजा को चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी सौंपी गई थी। उन्होंने बीच सीजन में ही कप्तानी छोड़ दी थी और तब भी एमएस धोनी को फिर से कप्तानी सौंपी गई थी। इसके बाद 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया गया। अब इस सीजन गायकवाड़ के चोटिल होने के कारण एक बार फिर धोनी को कमान सौंपी गई है। एमएस धोनी की कप्तानी में सीएसके ने कुल पांच बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है। टीम ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में आईपीएल की ट्रॉफी जीती है। इस सीजन ऋतुराज का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहाऋतुराज गायकवाड़ का आईपीएल 2025 में खेले पांच मैचों में प्रदर्शन साधारण रहा है। उन्होंने दो अर्धशतक लगाए, जबकि तीन मैचों में कुछ खास नहीं कर पाए।

पीसीबी ने कोर्बिन बॉश पर लगाया एक साल का बैन, आईपीएल खेलने के लिए छोड़ा था पीएसएल

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कोर्बिन बॉश को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक साल के लिए बैन कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह फैसला गुरुवार, 10 अप्रैल को सुनाया। बॉश ने पीएसएल 2025 सीज़न की शुरुआत से पहले ही टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था ताकि वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हिस्सा ले सकें।

पीएसएल छोड़ आईपीएल से जुड़े बॉश

30 वर्षीय बॉश को इस साल जनवरी में पीएसएल ड्राफ्ट के दौरान पेशावर जाल्मी ने डायमंड कैटेगरी में चुना था। लेकिन आईपीएल फ्रैंचाइज़ी मुंबई इंडियंस ने उन्हें घायल लिज़ाड विलियम्स के स्थान पर रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में बुलाया। इसके बाद बॉश ने पीएसएल से अपना नाम वापस ले लिया और आईपीएल से जुड़ गए, जिससे पीएसएल से पहले ही वे

टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

बॉश ने जताया पछतावा, मांगी माफी

पीएसएल से बैन लगने के बाद कोर्बिन बॉश ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए अपनी गलती मानी और माफी मांगी। उन्होंने कहा मैं पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से हटने के अपने फैसले पर गहरा खेद व्यक्त करता हूं और पाकिस्तान की जनता, पेशावर जाल्मी के प्रशंसकों और क्रिकेट समुदाय से दिल से माफी मांगता हूं। पीएसएल एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है और मैं समझता हूं कि मेरे इस कदम से लोगों को निराशा हुई है।

उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं और पीएसएल से एक साल के प्रतिबंध और जुर्माने को भी स्वीकार करता हूं। यह मेरे लिए एक कठिन सबक है, लेकिन मैं इससे सीखकर भविष्य में बेहतर वापसी के लिए प्रतिबद्ध हूं।

पीसीबी का कड़ा संदेश

पीएसएल से अचानक नाम वापस लेने और टूर्नामेंट को प्राथमिकता न देने पर पीसीबी ने यह फैसला लेते हुए एक सख्त संदेश दिया है कि लीग के अनुशासन और प्रतिबद्धता से समझौता नहीं किया जाएगा। बॉश पर लगे एक साल के बैन के साथ-साथ उन पर आर्थिक जुर्माना भी लगाया गया है।

नॉर्वे चेस 2025 : विश्वनाथन आनंद ने गुकेश का बढ़ाया हौसला, भारत में विस्तार की तैयारी में आयोजक

एजेंसी

मुंबई। विश्वनाथन आनंद ने आज मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नॉर्वे चेस 2025 में युवा विश्व चैंपियन डी. गुकेश का समर्थन करते हुए कहा कि यह मुकाबला शतरंज प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक होगा। कार्यक्रम का आयोजन नॉर्वे चेस और स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई (एसजेएएम) ने संयुक्त रूप से किया था। नॉर्वे के स्टावेंगर में 26 मई से 06 जून तक होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गुकेश और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के बीच बहुप्रतीक्षित भिड़ंत होगी। आनंद ने कहा, गुकेश के पास प्रेरणा की कोई कमी नहीं है, और मैग्नस भी ऐसे युवा खिलाड़ियों से भिड़ने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। यह मुकाबला शतरंज प्रेमियों के लिए एक आदर्श जंग होगी। 18 वर्षीय गुकेश ने इस वर्ष टाटा स्टील मास्टर्स, चेस ओलंपियाड, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद सिंगापुर में विश्व चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। अब उनका सामना मैग्नस से नॉर्वे चेस में होगा, जहां छह खिलाड़ियों का डबल राउंड रॉबिन फॉर्मेट रखा गया है। पुरुष वर्ग में कार्लसन, नाकामुरा, कारुआना, एरिगैसी और वेई यी जैसे दिग्गज शामिल होंगे। वहीं, महिला वर्ग में हू यिफान, कोनेरू हम्पी, वैशाली रमेशबाबू, अन्ना मुझिचुक और सारा खातेमलशरियेह भाग लेंगी। खास बात यह है कि दोनों वर्गों में समान पुरस्कार राशि और समान प्रारूप रखा गया है। आनंद ने नॉर्वे चेस की अनूठी विशेषताओं की सराहना करते हुए कहा, यह टूर्नामेंट हमेशा कुछ नया करता है, कभी कन्फेशनल बूथ तो कभी आर्मागेडन जैसे फॉर्मेट्स। यही इसे औरों से अलग बनाता है। वहीं, नॉर्वे चेस के प्रबंध निदेशक क्जेल मैडलैंड ने कहा, और मैग्नस की भिड़ंत को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं।

फीबा ने 3×3 बास्केटबॉल टीमों की ओलंपिक कोटा वृद्धि के फैसले का किया स्वागत

एजेंसी

माइस, स्विट्ज़रलैंड। अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल संघ (फीबा) ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में 3×3 बास्केटबॉल टीमों (महिला और पुरुष दोनों वर्गों में) की संख्या 8 से बढ़ाकर 12 किए जाने के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के निर्णय का स्वागत किया है। फीबा ने इस फैसले को इस खेल के लिए एक मील का पत्थर बताया है। फीबा ने जारी एक बयान में कहा, यह विस्तार हाल के वर्षों में 3×3 बास्केटबॉल की लोकप्रियता और विकास को दर्शाता है। टीमों की संख्या बढ़ने से अधिक देशों को ओलंपिक मंच पर भागीदारी का अवसर मिलेगा, जिससे खेल की सार्वभौमिकता और व्यापक राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिलेगा। आईओसी की कार्यकारी बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पेरिस 2024 ओलंपिक में शामिल 8 टीमों की तुलना में लॉस एंजेलिस 2028 में प्रति वर्ग 12 टीमें भाग लेंगी।

फीबा अध्यक्ष शेख सऊद अली अल थानी ने कहा, हम इस निर्णय के लिए आईओसी के आभारी हैं। यह हमारे शहरी खेल को बढ़ावा देने हेतु

एक बड़ी प्रेरणा है। पुरुषों और महिलाओं की प्रतियोगिताओं में चार-चार अतिरिक्त टीमों का जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में ओलंपिक बास्केटबॉल ने कितनी उत्सुकता और रुचि जगाई है। फीबा के महासचिव एंड्रियास ज़ाग्लिस ने कहा, आज का दिन फीबा और हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। कोटा में हुई यह वृद्धि दुनिया भर के खिलाड़ियों और राष्ट्रीय संघों को यह सपना देखने का अवसर देती है कि वे गलियों और सड़कों से उठकर ओलंपिक तक पहुँच सकते हैं। गौरतलब है कि 3×3 बास्केटबॉल ने पहली बार टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों में पदार्पण किया था, और लॉस एंजेलिस 2028 में यह खेल तीसरी बार ओलंपिक कार्यक्रम का हिस्सा बनेगा। फीबा को उम्मीद है कि इस बदलाव से खेल को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम: अर्जुन एरिगैसी की कड़ी टक्कर के बावजूद नाकामुरा से हार, सेमीफाइनल लाइनअप तय

एजेंसी

पेरिस। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल के दूसरे दिन अनुभवी हिकारू नाकामुरा के खिलाफ जमकर संघर्ष किया, लेकिन 62 चालों तक चले इस कड़े मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सफेद मोहरों से खेलते हुए नाकामुरा ने इंग्लिश ओपनिंग (cy) से शुरुआत की। शुरुआती खेल में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की चालों की नकल करते हुए सातवीं चाल पर एक साथ कासलिंग किया। पहले 15 मूव तक मुकाबला बेहद संतुलित और सतर्क रहा, जहां दोनों खिलाड़ी बिना कोई जोखिम उठाए खेलते नजर आए। मिडिल गेम में नाकामुरा ने धीरे-धीरे स्थिति पर नियंत्रण बनाना शुरू किया। उन्होंने अर्जुन की डिफेंसिव रणनीति को तोड़ते हुए लगातार दबाव बनाया। 21 वर्षीय भारतीय ग्रैंडमास्टर ने कड़ी कोशिश की लेकिन समय की कमी और कमजोर होती स्थिति को देखते हुए अंततः उन्हें हार स्वीकार करनी पड़ी। इस जीत के साथ नाकामुरा ने

सेमीफाइनल में जगह पक्की की। पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने नोडिर्बेक अब्दुसत्तारोव के खिलाफ दूसरा गेम ड्रॉ खेला, जबकि पहला मुकाबला जीतने की बदौलत वह सेमीफाइनल में पहुंच गए। फैबियानो कारुआना ने मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव को हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। दोनों के बीच पहला मुकाबला ड्रॉ रहा था, लेकिन दूसरे मैच में कारुआना ने जीत दर्ज की। आखिरी सेमीफाइनल स्थान का फैसला टाईब्रेकर से हुआ, जहां दो ड्रा मुकाबलों के बाद जर्मनी के 20 वर्षीय विंसेंट कीमर ने रूस के इयान नेपोम्नियाची को मात दी। 9वें से 12वें स्थान के प्लेऑफ मुकाबलों में विश्व चैंपियन डी. गुकेश को रिचर्ड रापोर्ट से 1.5-0.5 से हार झेलनी पड़ी।

हैम्शायर से जुड़ी एलिस पैरी, इंग्लैंड की घरेलू क्रिकेट में मचाएंगी धमाल

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज ऑलराउंडर एलिस पैरी इस गर्मी इंग्लैंड की घरेलू महिला क्रिकेट में हैम्शायर टीम की ओर से खेलती नज़र आएंगी। हैम्शायर ने उन्हें महिला काउंटी क्रिकेट के पहले टियर वन टूर्नामेंट के लिए साइन किया है, जो महिला क्रिकेट में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। पैरी जुलाई में वाइटैलिटी ब्लास्ट के छह मुक़ाबलों में उपलब्ध रहेंगी, इसके साथ ही वह मेट्रो बैंक वन डे कप के दो मैचों में भी टीम का हिस्सा होंगी। यदि हैम्शायर फ़ाइनल्स डे तक पहुंचता है, तो पैरी वहाँ भी टीम के लिए खेलेंगी। वह 4 जुलाई को चेस्टरफ़ील्ड में द ब्लेज़ के ख़िलाफ़ डेब्यू करेंगी, जबकि 6 जुलाई को समरसेट के ख़िलाफ़ यूटिलिटा बाउल में पहली बार घरेलू मैदान पर उतरेंगी।एलिस

पैरी का क्रिकेटिंग रिकॉर्ड उन्हें महिला क्रिकेट का लीजेंड बनाता है। उनके नाम छह टी-20 वर्ल्ड कप, दो वनडे वर्ल्ड कप, कॉमनवेल्थ गोल्ड और पाँच एशेज़ खिताब हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ 16-0 की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह महिला एशेज़ में सबसे ज़्यादा रन बनाने और विकेट लेने वाली खिलाड़ी हैं। पैरी हाल ही में 2024 डब्ल्यूपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलीं और 2025 डब्ल्यूपीएल में 372 रन बनाकर दूसरे स्थान पर रहीं, उनका औसत 93 रहा। हैम्शायर के साथ उनका कार्यकाल ख़त्म होने के बाद वह द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी, जहाँ उन्होंने पिछले सीजन कप्तानी की थी। एलिस पैरी ने क्लब की वेबसाइट से कहा, मैं इस गर्मी हैम्शायर टीम के साथ जुड़ने को लेकर उत्साहित हूँ। यह क्लब पिछले दस वर्षों से महिला क्रिकेट में अग्रणी रहा है और मुझे ऐसे रोमांचक समय में टीम का हिस्सा बनने का अवसर मिला है।

हैम्शायर महिला टीम के अंतरिम कोच पॉल प्रिचार्ड ने कहा, एलिस दुनिया की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक हैं और हमें इस गर्मी उन्हें टीम में शामिल करके बेहद खुशी हो रही है। उनका अनुभव और प्रदर्शन हमारी युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत कुछ सीखने का मौक़ा देगा। एलिस पैरी का यह करार ऐसे समय आया है जब पॉल प्रिचार्ड को हाल ही में शार्लोट एडवर्ड्स की जगह अंतरिम कोच नियुक्त किया गया है। एडवर्ड्स अब इंग्लैंड महिला टीम की मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगी।

राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप: मध्य प्रदेश और कर्नाटक की दमदार जीत, क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

एजेंसी

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के सातवें दिन हॉकी मध्य प्रदेश और हॉकी कर्नाटक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दिन के पहले मुकाबले में हॉकी मध्य प्रदेश ने हॉकी पंजाब को 3-2 से हराया। मुकाबले की शुरुआत में ही कप्तान यूसुफ अफ्फान ने चौथे मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मोहित कर्मा (18') और सद्दाम अहमद (45') ने एक-एक गोल कर मध्य प्रदेश को तीन क्वार्टर तक मजबूत स्थिति में ला दिया। हालांकि अंतिम क्वार्टर में पंजाब ने वापसी की कोशिश की, जिसमें अराइजीत सिंह हुंदल (54') और गुरसाहिबजीत सिंह (56') ने गोल किए, लेकिन वे जीत के लिए पर्याप्त नहीं रहे। इस जीत के साथ हॉकी मध्य प्रदेश पूल ए में शीर्ष स्थान पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है। दूसरे मुकाबले में हॉकी कर्नाटक ने ले पुदुचेरी हॉकी को रोमांचक अंदाज में 3-2 से हराया। कप्तान मोहम्मद रहील ने 12वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन टी. अरुण कुमार (27') और पी. महेन्द्रन (37') ने पुदुचेरी के लिए खेल को पलटते हुए बढ़त बना ली। अंतिम समय में शेषे गौड़ा बीएम (58', 60') ने दो शानदार गोल करते हुए न केवल स्कोर बराबर किया।

बिली जीन किंग कप 2025: भारत ने हांगकांग (चीन) पर जीत दर्ज की, श्रीवल्ली ने हैट्रिक पूरी की

एजेंसी

पुणे। भारतीय टीम ने हांगकांग (चीन) को 2-1 से हराकर बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 में अपना विजयी अभियान जारी रखा है। यह टूर्नामेंट एमएसएलटीए द्वारा आईटीएफ, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से पुणे के महालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया रहा है। वैदेही चौधरी के दमदार प्रदर्शन ने भारत को तीसरे दिन शानदार शुरुआत दी। वैदेही ने दिन के पहले मैच में हो चिंग वू के खिलाफ पूरा दमखम दिखाया। अहमदाबाद की इस युवा खिलाड़ी ने टाई-ब्रेकर तक खिंचा पहला सेट कड़े मुकाबले में 10-8 से जीता। दूसरे सेट में वह बिना समय गंवाए शुरुआत से ही अपनी प्रतिद्वंद्वी पर हावी हो गई और 2 घंटे, 3 मिनट तक चले मैच को 7-6 (10-8), 6-1 से जीत लिया। इससे भारत को

हांगकांग, चीन के खिलाफ 1-0 की बढ़त मिल गई। दोनों देशों के बीच दूसरे एकल मैच में, श्रीवल्ली भामिदीपती ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन मैचों के बाद अपना शत-प्रतिशत रिकॉर्ड जारी रखा। हालांकि इस युवा भारतीय स्टार को तीन सेटों तक चले मुकाबले में हॉन्ग यी कोडी वोंग से कड़ी चुनौती मिली। इसके बावजूद श्रीवल्ली ने 2 घंटे, 27 मिनट तक चले मुकाबले का पहला सेट टाईब्रेक में 8-6 से जीता, लेकिन उसके बाद उनकी हांगकांग की प्रतिद्वंद्वी ने वापसी की। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी 8 ऐस के साथ 7-6, 2-6, 6-3 से महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में सफल हुईं। उनकी जीत से भारत मुकाबले में 2-0 की अजेय बढ़त पर आ गया। दिन का अंतिम मुकाबला डबल्स मैच था, जिसमें अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की भारतीय जोड़ी उतरी और उनकी भिड़ंत यूडिस चोंग और हांग यी कोडी वोंग से हुई। इस कठिन मुकाबले में भारतीय जोड़ी पिछड़ गई। हालांकि अनुभवी भारतीय जोड़ी ने पहला सेट टाई-ब्रेक में जरूर जीता, लेकिन हांगकांग (चीन) की जोड़ी ने दूसरे सेट में वापसी करके अपना दबदबा बनाया और बेहतर प्रदर्शन जारी रखते हुए अंतिम सेट जीत लिया।

अंडर-19 डे क्रिकेट एकेडमी धर्मशाला के लिए ट्रायल 20 अप्रैल को

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट ऐसोसिएशन एचपीसीए द्वारा अंडर-19 डे क्रिकेट एकेडमी धर्मशाला के लिए 20 अप्रैल को ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान वर्ष 2025-26 के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। ट्रायल क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 20 अप्रैल को सुबह 10 बजे से होंगे। ट्रायल में पूर्व वर्ष में चयनित खिलाड़ियों को भी भाग लेना होगा, उनकी प्रतिभा के तहत ही उन्हें आगामी वर्ष के लिए रिटेन किया जाएगा। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का जन्म एक सितंबर 2006 के बाद होना जरूरी है। साथ ही मात्र हिमाचली बोनोफाईड खिलाड़ी ही ट्रायल में भाग ले सकेंगे। इसके लिए खिलाड़ियों को ट्रायल वाले दिन ही रजिस्ट्रेशन करवानी होगी। बिना पंजीकरण के ट्रायल में खिलाड़ी भाग नहीं ले पाएंगे।

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से हराया

एजेंसी

बेंगलुरु। केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स की 100 से ज्यादा रनों की नाबाद साझेदारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को उसके ही घर में छह विकेट से पटखनी दी है। चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में आरसीबी ने 7 विकेट खोकर 163 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में चार विकेट गवांकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आरसीबी की ओर से मिले 164 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत खराब रही। दिल्ली ने महज 58 के स्कोर पर चार विकेट खो दिए थे। फॉफ डुप्लेसिस (2 रन), जैक फ्रेजर मैक्गर्क (7 रन), अभिषेक पोरेल (7 रन) और कप्तान अक्षर पटेल (15 रन) जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने पांचवें विकेट के लिए 111 रनों की नाबाद साझेदारी की और टीम को जीत दिलाई। इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज केएल ने 37 गेंदों में

अपना अर्धशतक पूरा किया और 53 गेंदों में 93 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके बल्ले से सात चौके और छह छक्के निकले। वहीं, स्टब्स ने चार चौके और एक छक्के की सहायता से नाबाद 38 रन बनाए। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने दो विकेट चटकाए, जबकि यश दयाल और सुयश शर्मा को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की टीम ने 163 रन का स्कोर खड़ा किया। आरसीबी की शुरुआत धमाकेदार रही। पॉवर प्ले के चार ओवर पूरे होने से पहले ही टीम ने 60 रन के आंकड़े को छू लिया। हालांकि 61 के कुल योग पर ओपनर फिल सॉल्ट रन आउट हो गए। सॉल्ट ने 17 गेंदों में 37 रन बनाए।

रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (सेना) लखनऊ ने जीती महिला वर्ग की ट्रॉफी

एजेंसी

लखनऊ। रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (सेना) लखनऊ ने 8वीं अखिल भारतीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता - मध्य ज़ोन जोनल राउंड में महिला वर्ग की विजेता ट्रॉफी जीत ली। वहीं पुरुषों में रक्षा लेखा नियंत्रक (सेना) मेरठ चैंपियन बनी। रक्षा लेखा खेल नियंत्रण बोर्ड द्वारा सूर्या खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता के बुधवार शाम फाइनल मुकाबले खेले गए।

महिला वर्ग के फाइनल में रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (सेना) लखनऊ ने रक्षा लेखा नियंत्रक जबलपुर को सीधे सेटों में 25-10, 25-13 से हराया। पुरुष वर्ग के फाइनल में रक्षा लेखा नियंत्रक (सेना) मेरठ को संघर्ष के बाद जीत मिली, जिसने रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन संवितरण) मेरठ को तीन सेट तक चले मैच में 25-15, 20-25, 25-13 से हराकर खिताब जीता।पुरस्कार वितरण समारोह में संजय कुमार चौधरी (आईडीएएस, रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (सेना) लखनऊ, हरिहर मिश्रा (आईडीएएस, रक्षा लेखा नियंत्रक, एकीकृत वित्तीय सलाहकार (मध्य कमान) लखनऊ एवं एवं संयुक्त एकीकृत वित्तीय सलाहकार हिमांशु त्रिपाठी ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सेना तथा सिविल सेवाओं के विशिष्ट अधिकारी भी उपस्थित रहे।

धर्मशाला में दिखेगा आईपीएल मैचों का रोमांच, सभी तैयारियां समय रहते पूरा करने के निर्देश

एजेंसी

धर्मशाला। इन दिनों क्रिकेट प्रेमियों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैचों का जबरदस्त रोमांच देखने को मिल रहा है। यह सीजन 25 मई तक चलेगा। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में भी तीन मैच खेले जाएंगे। धर्मशाला में यह मैच 4 मई, 8 मई और 11 मई को खेले जाएंगे। इसको लेकर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) तैयारियों में जुटा है। आईपीएल के इन तीन मैचों के लिए खिलाड़ियों तथा दर्शकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में जिला प्रशासन तथा एचपीसीए के अधिकारियों के बीच तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि चार मई, आठ मई तथा 11 मई को तीन मैच धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

खत्म हुई

हिमांशी खुराना

और शहनाज गिल की दुश्मनी? एक्स- बॉयफ्रेंड आसिम रियाज को किया रिजेक्ट

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की दो मशहूर एक्ट्रेस हिमांशी खुराना और शहनाज गिल की आपस में बिलकुल भी नहीं बनती थीं. इन दोनों के बीच का मनमुटाव इतना बढ़ गया था कि 'बिग बॉस 13' के घर में भी दोनों की दुश्मनी एक बड़ा मुद्दा बन गया था. बाहरी दुनिया में भी इन दोनों के फैंस आपस में भिड़ते रहते थे. 5 साल पहले बिग बॉस के होस्ट सलमान खान ने भी कई बार इस मामले को सुलझाने की कोशिश की थी, लेकिन दोनों की तरफ से इस दोस्ती को मिटाने के लिए कोई मेहनत नहीं ली गई. लेकिन अब हिमांशी ने एक चैट शो में अपने एक्स-बॉयफ्रेंड आसिम रियाज को रिजेक्ट करते हुए शहनाज गिल का नाम लिया है. फैंस का मानना है कि हिमांशी ने अपने जवाब से शहनाज गिल की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया है.हाल ही में हिमांशी खुराना एक चैट शो 'स्पॉटलाइट विद मैंडी' में नजर आईं. इस दौरान उनसे एक दिलचस्प सवाल पूछा गया. उन्हें दो नामों के बीच किसी

एक को चुनने के लिए कहा गया. जब उनसे उनके एक्स-बॉयफ्रेंड आसिम रियाज और शहनाज गिल में से किसी एक को चुनने के लिए कहा गया, तो हिमांशी का जवाब चौंकाने वाला था. उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के शहनाज गिल का नाम लिया.

चैट शो में की खुलकर बात

शो के होस्ट ने हिमांशी को कई सवाल पूछे गए. लेकिन जब शहनाज और आसिम का नाम आया, तो उनका चुनाव बड़ा ही स्पष्ट था. उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, जाहिर है, शहनाज। उनका जवाब सुनकर होस्ट दंग रह गई.

'बिग बॉस 13' में बनी थी जोड़ी

गौरतलब है कि हिमांशी खुराना और आसिम रियाज की मुलाकात 'बिग बॉस 13' के घर में ही हुई थी. शो में आने से पहले हिमांशी नौ साल के एक रिश्ते में थीं, लेकिन उन्होंने उस रिश्ते को तोड़कर आसिम का साथ चुना था. शो के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं. हालांकि, शो खत्म होने के कुछ महीनों बाद ही दोनों का ब्रेकअप हो गया.

करण जौहर ने मलाइका से पूछा ऐसा सवाल, फिल्ममेकर की गोद में जाकर बैठ गईं एक्ट्रेस

हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने आइटम नंबर्स के जरिए खास और बड़ी पहचान बनाई है. मलाइका अरोड़ा के लटके झटकों का हर कोई दीवाना है. मलाइका डांस बेस्ड कई शोज को जज भी कर चुकी हैं. इन दिनों एक्ट्रेस 'हिप हॉप इंडिया' सीजन 2 में बतौर जज नजर आ रही हैं, जिसमें उनका साथ रेमो डिसूजा दे रहे हैं.डांस शो के अलावा मलाइका ने 'इंडियाज गॉट टैलेंट' को भी जज किया है. इसके अलावा वो खुद का शो भी ला चुकी हैं, जिसका नाम था 'मूविंग विद मलाइका'. साल 2022 में आए इस शो में एक बार उनके मेहमान करण जौहर भी बने थे. दोनों के बीच ढेर सारी बातचीत हुई थी. तब सरेआम मलाइका, करण जौहर की गोद में भी बैठ गई थीं. वहीं एक्ट्रेस से करण ने उनके प्राइवेट पार्ट को लेकर भी सवाल कर लिया था. जिसे सुनकर एक्ट्रेस शर्म से लाल हो गई थीं.

करण की गोद में बैठ गई थीं मलाइका

करण जौहर और मलाइका अरोड़ा एक दूसरे के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं. दोनों के बीच दोस्ती का एक अच्छा रिश्ता है. 'मूविंग विद मलाइका' के एक एपिसोड में करण जौहर बतौर गेस्ट पहुंचे थे. शो के दौरान मलाइका ने करण का गले लगाकर वेलकम किया था. इसके बाद मस्ती मजाक के सिलसिले के बीच एक्ट्रेस, डायरेक्टर की गोद में बैठ गई थीं. तब करण ने मलाइका को अपने दोनों हाथों से पकड़ लिया था.

करण ने मलाइका से प्राइवेट पार्ट पर पूछा था सवाल

मस्ती मजाक के बीच करण और मलाइका अरोड़ा की बातचीत अलग लेवल पर पहुंच गई थी. तब करण जौहर ने मलाइका से पूछा था कि, हर कोई आपके *#$% के बारे में बातें करता है. इस बारे में उन्हें कैसा लगता है? मलाइका ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया था. करण के इस सवाल को सुनकर एक्ट्रेस अनकंफर्टेबल हो गई थीं.

बेडरूम सीक्रेट्स और शादी पर भी किया सवाल

करण जौहर ने मलाइका से उनके बेडरूम सीक्रेट्स पर भी सवाल किया था. उन्होंने पूछा था, आप बेडरूम में एक्सपेरिमेंट्स करते हो? साथ ही करण ने एक्ट्रेस से सवाल किया था, आप शादी कब कर रही हो? उस समय मलाइका अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप में थीं. हालांकि मलाइका ने करण के इन सवालों के जवाब में कहा था कि ये सोफा उनका है. मलाइका कहना चाह रही थीं कि करण उनके शो पर आए हैं न कि वो करण के शो पर हैं.

बॉलीवुड के इस विलेन से बहुत डरती थीं हेमा मालिनी, एक्ट्रेस ने बताई बड़ी वजह

बॉलीवुड एक्ट्रेस हेमा मालिनी काफी समय से फिल्मों से दूर हैं और राजनीति में ज्यादा एक्टिव हैं. लेकिन फिर भी अक्सर हेमा रियलिटी शोज में जाती हैं और उनके लिए स्पेशल एपिसोड्स रखा जाता है. एक बार हेमा 'इंडियन आइडल' के सेट पर गईं और वहां कई किस्से शेयर किए थे. इसी दौरान जब हेमा से पूछा गया कि वो किस विलेन से डरती थीं तो उन्होंने ऐसा नाम लिया जो आपको हैरान कर देगा.हेमा मालिनी बॉलीवुड में 70'ह्य से एक्टिव हैं और कई बेहतरीन फिल्में की जिन्हें आज भी पसंद की जाती हैं. उनके एक को-एक्टर रहे हैं जिनके साथ सीन करते हुए अक्सर वो अन-कंफर्टेबल हो जाती थीं, वो कौन थे, आइए जानते हैं.

इस एक्टर के विलेन बनने पर डरती थीं हेमा मालिनी

इंडियन आइडल के एंकर आदित्य नारायण ने हेमा मालिनी से पूछा, 'ऐसे कौन से विलेन हैं जिनसे आपको डर लगता था सच में?' इसपर हेमा मालिनी ने जवाब दिया था, 'प्रेम चोपड़ा सेज मैं उनके साथ राजा जानी फिल्म की शूटिंग कर रही थी जयपुर में. पिक्चर में एक पूरा गाना उनके साथ फिल्माया गया था कितना मजा आ रहा हैज्बहुत ही अच्छा गाना था. 'हेमा मालिनी ने आगे कहा था, 'फिल्म के उस गाने में धरम जी को जलाना था. तो उस गाने में प्रेम जी हीरो की तरह एक्टिंग कर रहे थे लेकिन मुझे उनसे डर लग रहा था क्योंकि वो हमेशा विलेन बनकर आते थे और इस फिल्म में भी वो विलेन थे. धरम जी भी बीच-बीच में बोल रहे थे कि क्या कर रहा है ये क्योंकि वो मेरे साथ ज्यादा किसी को चेप होते नहीं देख पाते थे.'

हेमा मालिनी ने प्रेम चोपड़ा के साथ कितनी फिल्में कीं?

1968 में हेमा मालिनी ने फिल्म सपनों के सौदागर से अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्होंने एक के बाद 'शोले', 'सीता और गीता', 'जॉनी मेरा नाम', 'वारिस', 'अभिनेत्री', 'तुम हसीन मैं जवान', 'चरस', 'नसीब', 'सत्ते पे सत्ता' जैसी सुपरहिट फिल्में कीं. वहीं अगर बात ये आए कि हेमा मालिनी के साथ प्रेम चोपड़ा ने कौन-कौन सी फिल्में कीं तो उनमें 'आस-पास', 'नसीब', 'त्रिशूल', 'क्रांति', 'अंधा कानून', 'अलीबाबा 40 चोर' जैसी फिल्में की हैं. हेमा मालिनी 70 के दशक की ऐसी एक्ट्रेस रही हैं जिन्होंने 2000 के बाद भी कई सफल फिल्मों में काम किया है. हेमा मालिनी को बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल कहा जाता है और आज भी फैंस उन्हें इसी नाम से पुकारते हैं.

अजय देवगन की RAID 2 के सेट से लीक हुआ वीडियो,

तमन्ना भाटिया

ने कुछ सेकंड में उड़ाया गर्दा!

अजय देवगन की 'रेड 2' 1 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. फिल्म में मेकर्स ने आखिरी वक्त में दो गाने जोड़े हैं. जिसमें से एक आइटम नंबर होने वाला है. तमन्ना भाटिया इस स्पेशल सॉन्ग का शूट कर रही हैं. बीते दिनों ट्रेलर लॉन्च में भी वो रेड 2 की टीम के साथ दिखाई दी थी. हालांकि, अब रेड 2 के सेट से एक वीडियो लीक हो गया है, जिसमें तमन्ना भाटिया अपने गाने का शूट करती दिखाई दे रही हैं. कुछ सेकंड के वीडियो के लीक होने के बाद हर तरफ गाने को हिट बताया जा रहा है.दरअसल रेड 2 का काम काफी वक्त पहले ही पूरा किया जा चुका है. लेकिन फिल्म में कुछ अलग जोड़ने की आखिर वक्त पर प्लानिंग हुई. मेकर्स ने प्लान किया था कि वो कहानी को स्पेशल बनाने के लिए लास्ट टाइम पर ऐसे बदलाव करा रहे हैं.

RAID 2 से लीक हुआ वीडियो

RAID 2 में तमन्ना भाटिया का धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस होने वाला है. अब तमन्ना भाटिया के स्पेशल सॉन्ग का कुछ सेकंड का वीडियो वायरल हो रहा है. जिससे उन्होंने हर किसी का ध्यान खींच लिया है. फैन्स सुपर एक्साइटेड हैं, साथ ही उनकी काफी तारीफ कर रहे हैं. दरअसल ट्रेलर में भी डांस नंबर की छोटी सी झलक थी. लेकिन वायरल वीडियो के बाद सोशल मीडिया पर सिर्फ तमन्ना भाटिया ही छाई हुई हैं. वीडियो में देखा जा रहा है कि वो अपने मूव्स की फुल एनर्जी के साथ प्रैक्टिस कर रही हैं.

व्हाइट एंड गोल्डन कलर के आउटफिट में एक्ट्रेस नजर आ रही हैं. वीडियो में जहां वो दिख रही है, वो कोई अंडरग्राउंड सेट लग रहा है. जहां ग्लैमरस वाइब और पीछे लाइट्स लगाई गई हैं. इस वीडियो में लिखा गया है कि तमन्ना ने रेड 2 के आइटम सॉन्ग की शूटिंग शुरू कर दी है. हालांकि, पहले चर्चा थी कि वो हनी सिंह के गाने पर परफॉर्म करेंगी. लेकिन आखिरी वक्त पर पता लगा कि हनी सिंह गाने में नहीं होंगे. कौन सा होगा सिंगर, इसकी डिटेल्स अबतक मेकर्स ने छिपाकर रखी है.

यूपीएससी ने एनडीए और एनए परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित किया

नई दिल्ली
संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने शुक्रवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और नौसेना अकादमी (एनए) परीक्षा, 2024 की लिखित परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। यूपीएससी ने एक बयान जारी कर बताया कि आयोग द्वारा 1 सितंबर, 2024 को आयोजित लिखित परीक्षा और उसके बाद सेवा चयन बोर्ड, रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित साक्षात्कारों के परिणामों के आधार पर एनडीए के सेना, नौसेना और वायु सेना विंग में 154वें पाठ्यक्रम और एनए में 116वें भारतीय नौसेना अकादमी पाठ्यक्रम (आईएनएसी) में प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले 792 उम्मीदवारों की योग्यता क्रम की सूची जारी की है।

मुंबई हमले की जांच में करेंगे एनआईए का सहयोग : फडणवीस

मुंबई
26/11 मुंबई हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर मैं मुंबईकरों की ओर से पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। एनआईए मामले की जांच कर रही है। हम जांच में एनआईए की पूरी मदद करेंगे।

कालीबाड़ी चंडीगढ़ में श्री रामकृष्ण की प्राण प्रतिष्ठा आज से

चंडीगढ़: कालीबाड़ी चंडीगढ़ अपने मंदिर परिसर में भगवान श्री रामकृष्ण की प्राण प्रतिष्ठा आज से प्रारम्भ करेगा। प्राण प्रतिष्ठा की प्रमुख रीति "आधिबास" अनुष्ठान में मूर्ति को शुद्ध करने और किसी भी दोष की पहचान करने के लिए जल, अनाज और अन्य पवित्र पदार्थों में विसर्जित करना होता है । यह आवश्यक कदम दिव्य ऊर्जा के साथ मूर्ति के अभिषेक से पहले होता है। इसके बाद अमृता गांगुली द्वारा परिकल्पित और निर्देशित 'सिद्धार्थ से बुद्ध तक - श्री रामकृष्ण की दिव्य लीला' नामक एक आत्मा को झकझोर देने वाली नृत्य नाटिका की प्रस्तुति होगी। यह मेगा प्रोडक्शन गौतम बुद्ध और श्री रामकृष्ण के जीवन और आध्यात्मिक मिशनों के बीच गहरी समानताएं दर्शाता है। चार दिवसीय पवित्र प्राण प्रतिष्ठा समारोह का नेतृत्व गुरुग्राम के रामकृष्ण मिशन के स्वामी शांतात्मानंद जी और भुज के रामकृष्ण मिशन के स्वामी सुखानंद जी रविवार को तंत्रधारक के रूप में करेंगे। प्रत्येक दिन काली पूजा, मंगल आरती, भक्ति गीत और प्रामाणिक बंगाली शाकाहारी प्रसाद जैसे पारंपरिक अनुष्ठान होंगे। समापन दिवस पर विशेष काली पूजा, रक्तदान अभियान और समुदाय के लिए निःशुल्क चिकित्सा और नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे।

भारत ऋषियों, मनीषियों और संतों की धरती: पीएम

जहां परमार्थ परंपरा बन गया हो, वो धरती साधारण नहीं है: मोदी

अशोकनगर
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमारा भारत ऋषियों, मनीषियों और संतों की धरती है। आनंदपुर धाम में आकर मन अभिभूत है। हृदय आनंद से भर गया। जिस भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया हो, जहां परमार्थ परंपरा बन गया हो। वो धरती साधारण नहीं है। हमारे संतों ने अशोकनगर के बारे में कहा था कि यहां शोक आने से डरता है। प्रधानमंत्री मोदी को मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान अशोकनगर जिले के ईसागढ़ तहसील स्थित श्री आनंदपुर धाम में सत्संग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए अनुयायी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब-जब हमारा भारत, हमारा समाज किसी मुश्किल दौर से गुजरता है, कोई न कोई ऋषि, मनीषी इस धरती पर अवतरित होकर समाज को नई दिशा देता है। हम स्वामी अद्वैतानंद महाराज जी के जीवन में भी इसकी झलक देख सकते हैं। एक समय था, जब आदि शंकराचार्य जैसे आचार्यों ने अद्वैत दर्शन के गहरे ज्ञान की व्याख्या की थी। इसी परंपरा में अद्वैतानंद जी महाराज ने भारत के जन सामान्य तक इसे पहुंचाने का बीड़ा उठाया। महाराज जी ने अद्वैत के ज्ञान को हम सभी के लिए और सरल बनाया, उसे सामान्य मानवी के लिए और सुलभ कर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में भौतिक उन्नति के बीच मानवता के लिए युद्ध, संघर्ष और मानवीय मूल्यों से जुड़ी कई चिंताएं हमारे सामने हैं। इनकी जड़ में क्या है। इनकी जड़ में अपने और पराए की मानसिकता है। ये मानसिकता मानव से मानव को दूर करती है। आज विश्व भी सोच रहा है इनका समाधान कहां मिलेगा। इनका समाधान अद्वैत के विचार में मिलेगा। अद्वैत यानी यहां कोई द्वैत नहीं है। उन्होंने कहा कि अशोकनगर और आनंदपुर धाम ने देश को बहुत कुछ दिया है। इनका विकास भी हमारी जिम्मेदारी है। इस क्षेत्र को कला संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य का वरदान प्राप्त है। यहां विकास और विरासत की असीम संभावनाएं है। इसलिए हम हम प्रदेश और अशोकनगर में तेजी से विकास कर रहे हैं। मध्य प्रदेश सरकार अभी से ही उज्जैन के सिंहस्थ की तैयारियों में जुटी है। उन्होंने कहा कि गरीब और वंचित के उत्थान का संकल्प, सबका साथ सबका विकास का मंत्र, सेवा की भावना सरकार की नीति है। निष्ठा भी है। सेवा की भावना हमारे व्यक्तित्व को भी निखारती है। सेवा हमें व्यक्तिगत दायरे से निकालकर मानवता के बड़े उद्देश्य से जोड़ती है। सेवा की भावना हमारी सरकार के हर प्रयास के केंद्र में है। आज हर जरूरतमंद प्रधानमंत्री अन्न योजना के चलते खाने की चिंता से मुक्त हैं। हर गरीब-बुजुर्ग आयुष्मान योजना के कारण इलाज की चिंता से मुक्त है। पीएम आवास योजना के कारण पक्के घर की चिंता से मुक्त हो रहा है। जल जीवन मिशन के कारण गांव-गांव में जल समस्या खत्म हो रही है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने आनंदपुर धाम पहुंचकर परमहंस अद्वैत मत के मंदिरों में दर्शन किए। उन्होंने यहां गुरुजी महाराज मंदिर में पूजा-अर्चना की। और श्री आनंदपुर धाम स्थित मंदिर परिसर का भी दौरा किया।

नमामि गंगे मिशन 2.0: उप्र, बिहार और दिल्ली में 7 प्रमुख सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं पूरी

नई दिल्ली
नमामि गंगे मिशन 2.0 के तहत वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में 7 प्रमुख परियोजनाएं पूरी की गई हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली में स्थित ये परियोजनाएं मुख्य रूप से सीवेज को नदियों में जाने से रोकने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जिससे पानी की गुणवत्ता में सुधार होता है और नदियों का कायाकल्प होता है। इसके अतिरिक्त उत्तराखंड में अन्य परियोजनाएं आंशिक रूप से संचालन के लिए तैयार हो गई हैं। पूरी हो चुकी परियोजनाएं सीवरेज उपचार में बुनियादी ढांचे की उन्नति में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जिससे नदी के कायाकल्प के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। इन परियोजनाओं के चालू होने के साथ ही नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत कुल क्षमता 3722 एमएलडी हो गई है और कुल 157 एसटीपी चालू हो गए हैं। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार इन परियोजनाओं की कुल लागत ?1772 करोड़ है, जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में अपशिष्ट जल उपचार को बढ़ाना है। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद में गंगा के कायाकल्प को नई गति

मिली है। यहां ?261 करोड़ की लागत से 47.70 एमएलडी क्षमता वाला अत्याधुनिक एसटीपी और इंटरसेप्शन और डायवर्जन नेटवर्क स्थापित किया गया है, जो गंगा की प्राकृतिक शुद्धता को बहाल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।
अयोध्या में सरयू नदी को स्वच्छ और अविरल बनाने के लिए 222 करोड़ की लागत से 33 एमएलडी क्षमता वाला एसटीपी और इंटरसेप्शन और डायवर्जन नेटवर्क स्थापित किया गया है। यह पहल न केवल शहर के धार्मिक महत्व को बनाए रखेगी बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी योगदान देगी। इसके अतिरिक्त, मुजफ्फरनगर जिले में 32.50 एमएलडी क्षमता का एसटीपी तथा इंटरसेप्शन और डायवर्सन नेटवर्क का निर्माण पूरा हो चुका है, जिसकी कुल परियोजना लागत ?234 करोड़ है। यह परियोजना काली पश्चिम और हिंडन नदियों के कायाकल्प में सहायक होगी। ये परियोजनाएं हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर आधारित हैं, जो न केवल उनकी सफलता सुनिश्चित करती है, बल्कि उनकी पर्यावरणीय प्रभावशीलता को भी बढ़ाती है। बिहार में भी गंगा नदी के संरक्षण के लिए बड़ी परियोजनाएं शुरू की गई हैं। बख्तियारपुर में 85 करोड़ रुपये की लागत से 10 एमएलडी एसटीपी तथा इंटरसेप्शन और डायवर्सन नेटवर्क का निर्माण किया गया है, जो प्रदूषण प्रभावित क्षेत्रों के लिए उम्मीद की किरण है। फतुहा में 35.49 करोड़ रुपये की परियोजना के तहत 7 एमएलडी एसटीपी स्थापित किया गया है, जिससे क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा।

संत निरंकारी मिशन द्वारा मानव एकता दिवस का आयोजन

दिल्ली, 10 अप्रैल, 2025- आध्यात्मिकता ही मानव एकता को मजबूती दे सकती है तथा मानव को मानव के निकट लाकर आपसी प्रेम और सौहार्द का वातावरण बना सकी है। इसी मन्तव्य से सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के आशीर्वाद से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ह्यमानव एकता दिवसह्न का आयोजन 24 अप्रैल, 2025 को जहाँ एक ओर ग्राउंड नं0 8, निरंकारी चौक, बुराड़ी में किया जायेगा वहीं भारतवर्ष के प्रत्येक ब्राँचों में भी श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होकर बाबा गुरबचन सिंह जी एवं मिशन के अनन्य भक्त चाचा प्रताप सिंह जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगें और उनके महान जीवन से प्रेरणा लेगें। संत निरंकारी मण्डल के सचिव एवं समाज कल्याण विभाग के प्रभारी आदरणीय श्री

जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि सतगुरु की असीम कृपा से इस वर्ष भी सम्पूर्ण विश्व के लगभग 500 से अधिक स्थानों पर संत निरंकारी मिशन की समाज कल्याण शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में रक्तदान शिविर की अविरल श्रृंखलाओं का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जायेगा जिसमें लगभग 50,000 से अधिक रक्तदाता मानवता की भलाई हेतु रक्तदान कर निःस्वार्थ सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। दिल्ली के बुराड़ी स्थित ग्राउंड नंबर 8 में प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे आयोजित होने वाले इस रक्तदान शिविर में रक्त संग्रहित करने हेतु विभिन्न अस्पतालों के प्रशिक्षित डाक्टर एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की टीम सम्मिलित होंगी। साथ ही देश के अन्य राज्यों में भी आयोजित रक्तदान शिविरों में स्थानीय अस्पतालों के डाक्टर एवं नर्स रक्त संग्रहित करने हेतु इस सेवा को निभाने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सभी स्थानों पर सत्संग कार्यक्रम का भी आयोजन किया जायेगा। जैसा कि सर्वविदित ही है कि युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी समाज कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। प्रत्येक भक्त के जीवन को वास्तविक रूप में एक व्यावहारिक दिशा प्रदान की जिसके लिए मानवता उनकी सदैव ही ऋणी रहेगी।
युगद्दष्टा बाबा हरदेव सिंह जी द्वारा सन-1986 से आरम्भ हुई परोपकार की यह मुहिम, महाअभियान के रूप में आज अपने चरमोत्कर्ष पर है। पिछले लगभग 4 दशकों में आयोजित 8644 शिविरों में 14,05,177 युनिट रक्त मानवमात्र की भलाई हेतु दिया जा चुका है और यह सेवाएं निरंतर जारी है। निश्चित रूप में लोक कल्याण हेतु चलाया जा रहा यह अभियान निरंकारी सतगुरु की प्रदत्त सिखलाइयो को दशार्ते हुए एक दिव्य संदेश प्रेषित कर रहा है जिससे हर प्राणी प्रेरणा प्राप्त कर अपने जीवन को कृतार्थ कर रहा है।

ड्यूटी के दौरान लोको पायलट को टॉयलेट और खाने के लिए नहीं मिलेगा ब्रेक

नई दिल्ली
भारतीय रेलवे ने कथित तौर पर लोका पायलटों की ड्यूटी के दौरान खाने या शौच के लिए निर्धारित ब्रेक की लंबे समय से चली आ रही मांग को ठुकरा दिया है। जानकारी के अनुसार, रेलवे बोर्ड ने एक उच्च स्तरीय पैनल की इन सिफारिशों को अस्वीकार करते हुए कहा कि, परिचालन के दृष्टिकोण से इस तरह के ब्रेक को लागू करना संभव नहीं है। रेलवे का यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देश में बड़ी रेल दुर्घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, जिनमें से कई मानवीय भूल से जुड़ी हैं। इसके बावजूद रेलवे बोर्ड का कहना है कि ब्रेक के लिए ड्यूटी शेड्यूल में बदलाव करने से ट्रेन संचालन बाधित हो सकता है। वहीं, रेलवे बोर्ड ने लोकोमोटिव केबिन में क्रू वॉयस और वीडियो रिकॉर्डिंग सिस्टम लगाने के अपने कदम का भी बचाव भी किया है।

सिस्टम का उद्देश्य क्रू की निगरानी करना नहीं
बोर्ड ने स्पष्ट किया कि इस सिस्टम का उद्देश्य अनावश्यक रूप से क्रू की निगरानी करना नहीं है, बल्कि घटना के बाद के विश्लेषण में सहायता करना और सुरक्षा उपायों को बेहतर बनाना है। बोर्ड ने कथित तौर पर सभी क्षेत्रीय रेलवे महाप्रबंधकों को दिए गए निर्देश में कहा है कि इससे क्रू सदस्यों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ता है और इसका उद्देश्य ऑपरेशन एफिशिएंसी को बढ़ाना और सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित करना है।

एआईएलआरएसए ने रेलवे बोर्ड के फैसले की आलोचना की
इस बीच ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन (एआईएलआरएसए) ने रेलवे बोर्ड के फैसले की कड़ी आलोचना की है। एसोसिएशन ने इस फैसले को अव्यवहारिक बताया है। इस संबंध में रेलवे बोर्ड के सीईओ और चेयरमैन को लिखे लेटर में एआईएलआरएसए के महासचिव केसी जेम्स ने कहा कि समिति यह आकलन करने में विफल रही कि ट्रेन की गति में बढ़ोतरी करने से लोको पायलटों के तनाव का स्तर किस तरह बढ़ता है।

ईडी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, उसे लोगों के मौलिक अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने को नागरिक पूर्ति निगम (एनएएन) घोटाले के मामले को छत्तीसगढ़ से दिल्ली ट्रांसफर करने की याचिका पर ईडी को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईडी को लोगों के मौलिक अधिकारों के बारे में सोचना चाहिए। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां की पीठ ने ईडी से पूछा कि

उसने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत व्यक्तियों के लिए रिट याचिका कैसे दायर की? अनुच्छेद 32 व्यक्तियों को उनके मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने का अधिकार देता है। इसके बाद अतिरिक्त महाधिवक्ता एसवी राजू ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी और कहा ईडी के पास भी मौलिक अधिकार हैं। इस पर पीठ ने कहा कि अगर ईडी के पास मौलिक अधिकार हैं, तो उसे लोगों के मौलिक अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए। इसके बाद अदालत ने राजू को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

सीतारमण का ऑस्ट्रियाई कंपनियों को भारत के उभरते क्षेत्रों में निवेश का न्योता

वियना
केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को ऑस्ट्रियाई कंपनियों से भारत में निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत-ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत आर्थिक और वाणिज्यिक साझेदारी की संभावनाएं बहुत उज्ज्वल हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रियाई कंपनियों को भारत में उपलब्ध अनेक अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। भारत ने आर्थिक वृद्धि और समानता में तेजी लाने के साथ कारोबारी सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए किए गए सुधारों की वजह से जबरदस्त प्रगति की है।
ऑस्ट्रिया के दौरे पर गईं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण राजधानी वियना में भारत-ऑस्ट्रिया व्यापार गोलमेज सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं।

नुमान जी जब संजीवनी लाने गए तो इच्छा किया और सिद्धियों के द्वारा कभी छोटा, तो कभी भारी-भरकम हो गए

उज्जैन बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बताया कि पूछा जाए कि दुनिया किसने बनाया, तो कहोगे कि भगवान ने बनाया। तो अगर दुनिया बनाने वाला आपको मिल जाए तो दुनिया की चीजों के लिए तरसना पड़ेगा या नहीं तरसना पड़ेगा। जब लोग भगवान का दर्शन इसी घट में करने लगते थे, जब भगवान की प्राप्ति कर लेते थे तब जिस चीज की इच्छा करते थे वही इच्छा पूरी हो जाती थी "जो इच्छा कीन्ही मन माहीं, हरि प्रताप कछु दुर्लभ नाहीं"। अगर एक काम यही हो जाए कि प्रभु का दर्शन इस मनुष्य शरीर में हो जाए तो अभी ही सारा संकट दूर हो जाए, सारे कर्म कट जाएं। यह जो घर-घर की बीमारी है, लड़ाई-झगड़ा है, यह जो ईर्षा-द्वेष है, जब रुपया-पैसा में बरकत नहीं होती,

कमाई बहुत करते हो लेकिन पता नहीं चलता कहाँ चला जाता है; यह सब चीजें अभी खत्म हो जाएं।हनुमान जी ने इच्छा किया और सिद्धियों के द्वारा कभी छोटा, तो कभी भारी-भरकम हो गए जब लक्ष्मण जी को शक्ति बाण लगा तब हनुमान जी को आदेश हुआ कि जाओ तुम सुबह होने से पहले संजीवनी ले आओ, तो लक्ष्मण जी जीवित हो जाएंगे और नहीं तो बहुत मुश्किल है। तब हनुमान जी ने सोचा कि दूरी ज्यादा है, अगर हम ऐसे जायेंगे तो पहुंच नहीं पाएंगे इसीलिए हमको उड़ कर के जाना पड़ेगा। तब उन्होंने इच्छा किया कि हम छोटे बन जाए और छोटे बन कर उड़ कर के गए। जब संजीवनी नहीं पहचान में आई तब बोले कि पूरा पहाड़ ही उठा करके ले चले, तो फिर इच्छा किया कि हम भारी-भरकम शरीर वाले बन जाए, तो गरिमा शक्ति आ गई और भारी-भरकम शरीर हो गया, फिर पहाड़ को उठा लिया। जब उड़ना हुआ तब फिर इच्छा किया कि पहाड़ छोटा बन जाए तो अणुमा शक्ति ने छोटा बना दिया और पहाड़ ला कर के रख दिया। जी ने किस नाम से राम को वश में किया थाआप किताबों को खूब पढ़ते हो; हनुमान चालीसा, बजरंग बाण, दुर्गा शक्ति पाठ, गीत का पाठ, रामायण की चौपाइयाँ भी पढ़ते हो लेकिन उसी में लिखा है"राम ना सकहीं नाम गुण गाई, कह लग करूं मैं नाम बड़ाई" नाम का गुणगान राम भी नहीं कर सकते, उसके महत्व को नहीं समझा सकते सुमिर पवन सुत पावन नामु, अपने बस करि राखो रामू"उन नामों को याद कर के हनुमान जी ने राम को अपने बस में कर लिया था। अब यह नाम मिलेगा कहाँ? तो उसी में लिखा है"नाम रहा सन्तन आधीना, सन्त बिना कोई नाम न चीन्हा"
वह नाम सन्तों के पास मिलेगा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397